हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 | अंक : 299 : | जौनपुर, सोमवार 31 जुलाई 2023 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य : 2 रूपया

सीएम कमांड सेंटर और डैशबोर्ड का योगी ने किया शुभारंभ

योजनाओं के लाभार्थियों से फीडबैक के लिए होगा फोनय डैशबोर्ड से होगी रैंकिंग और ग्रेडिंग

एजेन्सी

लखनऊ। यूपी में चल रही विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से फीडबैक लेने के लिए डैशबोर्ड और सीएम कमांड सेंटर का उद्घाटन रविवार को सीएम योगी ने किया। लखनऊ के शास्त्री भवन एनेक्सी में उद्घाटन समारोह में सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक मौजूद रहे। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा और अपर मुख्य सचिव गृह संजय प्रसाद भी मौजूद रहे। सीएम कमांड सेंटर में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की भी सुविधा मिलेगी। सीएम डैशबोर्ड में कुल 53 विभागों की 588 योजनाएं और परियोजनाएं रजिस्टर्ड की गई हैं। अब डैशबोर्ड के जरिए विभिन्न योजनाओं के रियल टाइम मॉनिटरिंग की जाएगी। विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से फीडबैक लेने के साथ ही उनके प्रोजेक्ट के प्रदर्शन के अनुसार मासिक रैंकिंग और ग्रेडिंग भी दी जाएगी। सीएम योगी ने रविवार को लाल बहादुर शास्त्री भवन

(एनएक्सी) में मुख्यमंत्री कमांड सेंटर का उद्घाटन और सीएम डैशबोर्ड का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कमांड सेंटर और डैशबोर्ड बनाने का उद्देश्य डाटा कैप्चर करने के साथ–साथ उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में तेजी लाना है। साथ ही इसका मुख्य ध्येय आम जनमानस की समस्या का समयबद्ध तरीके से समाधान करना है। सीएम योगी ने कहा कि जिस अधिकारी या कार्मिक की जहां पर तैनाती हुई है, वह वहीं पर निवास करे। ऐसा न हो कि तैनाती किसी जनपद में हो और अधिकारी और कार्मिक किसी अन्य जनपद में निवास करते हों। अगर जनपद में सरकारी आवास उपलब्ध नहीं है तो अधिकारी और कार्मिक किराए के मकान में रहें और समय पर अपने दफ्तर पहुंचे। सीएम योगी कहा कि सभी कार्मिकों के कार्यों की समीक्षा होनी चाहिए। थानों की समीक्षा पुलिस अधीक्षक, जिला स्तर पर विभागों की समीक्षा जिला अधिकारी और मंडल स्तर पर मंडलायुक्त करें। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हुए जनपद स्तर पर हमें एक ऐसा मैकेनिज्म बनाना होगा जिससे जल्द से जल्द लोगों की समस्या का समाधान हो सके। अगर हम एंबुलेंस को यहां से बैठ कर मॉनिटर कर सकते हैं तो जनपद की हर एक गतिविधि को भी मॉनिटर किया जा सकता है। अब टेक्नोलॉजी इतनी बेहतर हो चुकी है। सीएम योगी ने कहा कि समस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिले के अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि जनपद स्तर पर ही लोगों की समस्याओं का समाधान हो जाए। लोगों की कहीं भटकना न पड़े। सीएम योगी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश के अंदर देश का ग्रोथ इंजन बनने के सामर्थ्य है। पुरुषार्थ को परिश्रम के साथ जोड़कर हम यूपी को अग्रणी राज्यों की शृंखला में खड़ा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि फील्ड का एक–एक डाटा शुद्ध होना चाहिए। हमें एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को आगे बढ़ाना है। इसमें किसी भी प्रकार की हेराफेरी नहीं होनी चाहिए। फील्ड से अपलोड होने वाले डाटा का वेरिफिकेशन किया जाएगा। हम समय–समय पर उसको चेक करेंगे, देखेंगे कि ऐसा तो नहीं कि केवल कागजी खानापूर्ति हो रही है। इसलिए जो भी डाटा आए वह सुव्यवस्थित हो और समयबद्ध तरीके से पूरी हो। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, जल शक्ति तथा बाढ़ नियंत्रण मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और नगर विकास मंत्री एके शर्मा मौजूद रहे।

शहीदों के सम्मान में शुरू होगा मेरी माटी मेरा देश अभियान

एजेन्सी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को घोषणा की कि देश के शहीदों के सम्मान में स्वतंत्रता दिवस से पहले 'मेरी माटी, मेरा देश अभियान

शुरू किया जाएगा। आकाशवाणी पर प्रसारित मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात की 103वीं कड़ी में अपने विचार साझा करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि हर जगह 'अमृत मोहत्सव की गूंज है और 15 अगस्त पास ही है तो देश में एक और बड़ा अभियान शुरू किया जा रहा है। उन्होंने कहा, "शहीद वीर–वीरांगनाओं को सम्मान देने के लिए 'मेरी माटी मेरा देश अभियान शुरू होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वालों की याद में पूरे भारत में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और लाखों ग्राम पंचायतों में विशेष शिलालेख भी स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि 'मेरी माटी, मेरा देश अभियान के अंतर्गत देशभर में अमृत कलश यात्रा आयोजित की जाएगी। पीएम मोदी ने कहा, "देश के गांव–गांव से, कोने–कोने से 7,500 कलशों में मिट्टी लेकर यह 'अमृत कलश यात्रा देश की राजधानी दिल्ली पहुंचेगी। यह यात्रा अपने साथ देश के अलग–अलग हिस्सों से पौधे लेकर भी आएगी।श्र उन्होंने कहा कि कलश में आई माटी और पौधों के साथ राष्ट्रीय युद्ध स्मारक के समीप 'अमृत वाटिका का निर्माण किया जाएगा। पीएम मोदी ने कहा, "यह अमृत वाटिका 'एक भारत–श्रेठ भारत का भी बहुत ही भव्य प्रतीक बनेगी। मैंने पिछले साल लाल किले से अगले 25 वर्षों के अमृतकाल के लिए 'पंच प्रण की बात की थी। 'मेरी माटी मेरा देश अभियान में हिस्सा लेकर हम इन 'पंच प्रणों को पूरा करने की शपथ भी लेंगे। प्रधानमंत्री ने देशवासियों से देश की पवित्र मिट्टी को हाथ में लेकर शपथ लेते हुए अपनी सेल्फी को वेबसाइट 'युवा डॉट गॉव डॉट इन पर अपलोड करने की अपील भी की। मोदी ने पिछले साल की तरह इस साल भी 'हर घर तिरंगा अभियान में लोगों से बढ़–चढ़कर हिस्सा लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, "हमें इस बार भी फिर से, हर घर तिरंगा फहराना है, और इस परंपरा को लगातार आगे बढ़ाना है। इन प्रयासों से हमें अपने कर्तव्यों का बोध होगा। देश की आजादी के लिए दिए गए असंख्य बलिदानों का बोध होगा। पीएम मोदी ने कहा, "बारिश का यही समय वृक्षारोपण और जल संरक्षण के लिए भी उतना ही जरूरी होता है।

इंडिया गठबंधन पर बरसे अमित शाह, कहा-अयोध्या में रामलला को सैंकड़ों सालों तक कांग्रेस ने टेंट में रखा

एजेन्सी

इंदौर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मध्यप्रदेश में आगामी विधानसभा के पूर्व आज विपक्षी दलों के गठबंधन'इंडिया को परोक्ष रूप से निशाने पर लेते हुए कहा कि कांग्रेस ने 70 साल धारा 370 को बच्चे की तरह गोद में पाला है और क्या ऐसे लोगों को नाम बदलने के बाद भी वोट दिया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि धारा 370 को संभाल कर रखने वाली कांग्रेस अगर नाम भी बदल ले तो भी क्या अब उसे वोट दिए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या में रामलला सैंकड़ों सालों से टेंट में थे। कांग्रेस ने इस मंदिर के निर्माण को भी भटका कर रखा। मोदी के शासनकाल में अदालत का फैसला आया और फिर उन्होंने मंदिर निर्माण की दिशा में काम आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि अहिल्या बाई होल्कर के बाद अगर देश के मंदिरों का किसी ने जीर्णोद्धार किया है तो वे देश के प्रधानमंत्री श्री मोदी ने किया है। शाह ने भारतीय

जनता पार्टी के संभाग स्तरीय बूथ अध्यक्ष सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, भूपेंद्र यादव, अश्विनी वैष्णव, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा और प्रदेश के गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा भी उपस्थित थे। केंद्रीय गृह मंत्री ने धारा 370 के हटाए जाने के पीछे पूरा श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देते हुए कहा कि कांग्रेस ने अपने 70 साल के शासनकाल में 370 को बच्चे की तरह गोद में पाल कर रखा। कांग्रेस समेत उनके गठबंधन के सभी दल इसे हटाने के विरोध में थे।

उन्होंने कहा कि'सोनिया–मनमोहन की सरकारश्में पाक से कोई भी आकर हमारे देश में हमले कर जाता था और उस समय की सरकार उस पर भी कुछ नहीं बोलती थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आने के बाद पाकिस्तान भूल गया कि अब भारत में सरकार बदल गई है और उसने उरी और पुलवामा में हमला कर दिया, जिसका बदला मौजूदा सरकार ने 15 दिन के भीतर ही ले लिया।

चंद्रयान-3 के बाद इसरो ने आज फिर रचा इतिहास, एक साथ लॉन्च किए 7 सैटेलाइट

एजेन्सी

श्रीहरिकोटा। चंद्रयान–3 की सफल लॉन्चिंग के बाद इसरो ने आज एक और कीर्तिमान स्थापित किया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने रविवार नई एक साथ सात सैटेलाइट्स को लॉन्च किया। इनमें 1 स्वदेशी और सिंगापुर के 6 सैटेलाइट शामिल हैं। इन उपग्रहों को पीएसएली–सी56 रॉकेट के जरिए आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से लॉन्च किया गया। इसरो की ओर से आज सिंगापुर की सात सैटेलाइट लॉन्च की गईं। इस सफलता के बाद सिंगापुर में इंडियन हाई कमीशन ने ट्वीट कर कहा कि भारत–सिंगापुर की अंतरिक्ष साझेदारी मील का पत्थर साबित हुई है। भेजे गए सात सैटेलाइटों में सबसे अहम 360 किलो का डीएस–एसएआर सैटेलाइट है। यह लॉन्चिंग सुबह 6.30 बजे 44.4 मीटर लंबे PSLV-C56 रॉकेट से की गई है।

दिल्ली सेवा विधेयक लाने को तैयार सरकार, इस हफ्ते भी संसद में हंगामे के आसार

एजेन्सी

नयी दिल्ली। मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर 20 जुलाई को शुरू हुए संसद के मानसून सत्र में कई बार व्यवधान देखने को मिला। अब सरकार जब दिल्ली सेवा अध्यादेश की जगह लोकसभा में एक विधेयक पेश करने की तैयारी में है, ऐसे में अगले हफ्ते भी संसद के दोनों सदनों में हंगामे के आसार और बढ़ गए हैं। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के खिलाफ एकजुट विपक्ष के लिए एक बड़ा मुद्दा बन गया है। विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस यानी 'इंडिया में शामिल दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी (आप) ने अध्यादेश के खिलाफ कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल भी अध्यादेश के विरोध में उतर आए हैं। सरकार ने लोकसभा में 13 मसौदा विधेयकों को विचार और पारित करने के लिए सूचीबद्ध किया है, जबकि अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस भी स्वीकार किया जा चुका है। मणिपुर में हिंसा को लेकर संसद में जारी गतिरोध और विपक्ष की इस मांग के बीच कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सदन में बयान दें, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि वह इस मामले पर संसद में चर्चा का जवाब देने के लिए तैयार हैं। विपक्ष ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। इसके बाद इसने संसद में मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर प्रधानमंत्री को बोलने के लिए मजबूर करने के अंतिम प्रयास के रूप में सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। मणिपुर पर प्रधानमंत्री के बयान की मांग को लेकर विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच संक्षिप्त चर्चा के बाद लोकसभा ने पांच विधेयकों को पिछले हफ्ते पारित किया। राज्यसभा ने पिछले सप्ताह चलचित्र (संशोधन) विधेयक सहित तीन विधेयक पारित किए थे। लोकसभा में, सरकार ने जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2023, संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जनजाति आदेश (संशोधन) विधेयक, 2023य संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश (संशोधन) विधेयक, 2023य जम्मू और कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2023य जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023य अंतर–सेवा संगठन (कमांड, नियंत्रण और अनुशासन) विधेयक, 2023य संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश (संशोधन) विधेयक, 2023य अपतटीय क्षेत्र खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, 2023 और भारतीय प्रबंधन संस्थान (संशोधन) विधेयक, 2023 विचार और पारित करने के लिए सूचीबद्ध किया है। राज्यसभा से पारित चलचित्र (संशोधन) विधेयक, 2023 को भी लोकसभा में मंजूरी के लिए सूचीबद्ध किया गया है। इसके अलावा, अधिवक्ता (संशोधन) विधेयक, 2023 और प्रेस और पत्रिका पंजीकरण विधेयक, 2023 को लोकसभा में लाए जाने से पहले राज्यसभा में पेश किया जाएगा। मध्यस्थता विधेयक, 2021 को भी उच्च सदन की मंजूरी का इंतजार है। राज्यसभा में जैव विविधता (संशोधन) विधेयक, बहु–राज्यीय सहकारी समिति विधेयक, वन (संरक्षण) संशोधन विधेयक, जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक, निरसन और संशोधन विधेयक, राष्ट्रीय नर्सिंग और मिडवाइफरी आयोग विधेयक, राष्ट्रीय दंत आयोग विधेयक और खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक पर चर्चा होनी है।

आज सीएम योगी अधिवक्ताओं को सवा 9 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की देंगे सौगात

एजेन्सी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को टिन की छांव में बैठकर वादकारियों के हित की लड़ाई लड़ने वाले अधिवक्ताओं को सुविधायुक्त ठौर मुहैया कराने के संकल्प को पूरा करते हुए अधिवक्ताओं को सवा 9 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात देंगे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री रविवार को गोरखपुर में आयेंगे और कल शाम प्रस्तावित कार्यक्रम में गोरखपुर कलेक्ट्रेट मुख्यालय परिसर में 3 करोड़ 46 लाख 21 हजार रुपए की लागत से बने मल्टीस्टोरी अधिवक्ता चौंबर्स तथा सदर तहसील में चार करोड़ 54 लाख 24 हजार रुपए की लागत से निर्मित अधिवक्ता चौंबर्स का लोकार्पण करेंगे। साथ ही एक करोड़ 25 लाख 30 हजार रुपए की लागत से कलेक्ट्रेट परिसर में बनने वाली डिजिटल लाइब्रेरी का शिलान्यास करेंगे। उन्होंने बताया हकि इन तीनों विकास परियोजनाओं की कार्यदायी संस्था ग्रामीण अभियंत्रण विभाग है।

मनीष तिवारी बोले- अविश्वास प्रस्ताव स्वीकार होने के बाद बिल पास होना संवैधानिक रूप से संदिग्ध

एजेन्सी

नयी दिल्ली। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने रविवार को दावा किया कि लोकसभा द्वारा अविश्वास प्रस्ताव को मंजूर किए जाने के बाद पारित हुए सभी विधेयक "संवैधानिक रूप से संदिग्ध हैं। तिवारी ने जोर देकर कहा कि कोई भी विधायी कामकाज प्रस्ताव के परिणाम सामने आने के बाद ही होना चाहिए, ना कि इससे पहले। पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि अविश्वास प्रस्ताव स्वीकार किए जाने के बाद 10 दिन की अवधि का इस्तेमाल विधेयकों को पारित कराने के लिए नहीं किया जा सकता। लोकसभा सदस्य ने यह बात तब कही जब दिल्ली सेवा अध्यादेश के स्थान पर संसद में एक विधेयक पेश किया जाना है। उन्होंने कहा कि एक बार अविश्वास प्रस्ताव लोकसभा में पेश कर दिया जाए, तो उसके बाद कोई विधेयक अथवा संसद के समक्ष लाया गया कोई भी कामकाज " नैतिकता, औचित्य और संसदीय परंपराओं का पूरी तरह से उल्लंघन है। तिवारी ने दावा किया कि लोकसभा द्वारा अविश्वास प्रस्ताव को मंजूर किए जाने के बाद राज्यसभा अथवा लोकसभा से पारित सभी विधेयकों की वैधता की पड़ताल कानून द्वारा की जानी चाहिए और यह पता लगाया जाना चाहिए कि ये कानूनी तरीके से पारित किए गए हैं अथवा नहीं। उन्होंने दावा किया कि अविश्वास प्रस्ताव को मंजूर किए जाने के बाद सभी विधायी कामकाज "संवैधानिक रूप से संदिग्ध हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा नरेन्द्र मोदी सरकार के खिलाफ 2018 में लाए गए अविश्वास प्रस्ताव और उसके बाद 2019 के चुनाव में मिली भारी जीत की तुलना आज के परिदृश्य से किए जाने पर कांग्रेस नेता ने कहा " अगर इतिहास एक बार खुद को दोहराता है तो यह त्रासदी है और अगर वह ऐसा दोबारा करता है तो यह तमाशा है।श्र कांग्रेस ने मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर गत बुधवार को लोकसभा में सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया जिस पर चर्चा के लिए सदन ने मंजूरी दे दी है। मणिपुर के मुद्दे पर प्रधानमंत्री मोदी से संसद के भीतर जवाब मांग रहे विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) की ओर से कांग्रेस ने इस रणनीति के साथ यह कदम उठाया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सदन में बोलने के लिए बाध्य किया जा सके। तिवारी ने कहा, " मणिपुर में जो हुआ और जो वहां लगातार हो रहा है वह निंदनीय है। राज्य में भाजपा की सरकार है,केन्द्र में भाजपा की सरकार है, इसलिए किसी को तो जिम्मेदारी लेनी होगी। कांग्रेस नेता ने कहा कि विपक्ष यह उम्मीद कर रहा था कि प्रधानमंत्री मणिपुर के "बेहद खतरनाक हालात पर संसद के दोनों सदनों में स्वतरू संज्ञान लेते हुए बयान देंगे और उस पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा, लेकिन दुर्भाग्य से प्रधानमंत्री ने मानसून सत्र के शुरू होने से पहले बेहद "सतही बयान दिया। कांग्रेस नेता ने कहा," इसके बाद पीठासीन अधिकारी ने लगातार पेश किए गए स्थगन प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया। इसलिए संयुक्त विपक्ष के पास यह अविश्वास प्रस्ताव लाने के सिवाय और कोई विकल्प नहीं बचा था..। इस अविश्वास प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री मोदी के जवाब को लेकर क्या उम्मीदें हैं।

विपक्षी गठबंधन इंडिया ने साधा केंद्र पर निशाना, बोले, मणिपुर में हिंसा के लिए मोदी सरकार जिम्मेदार

एजेन्सी

इंफाल। विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया ने मणिपुर के हालात के प्रति "घोर उदासीनता दिखाने और "चुप्पी साधने का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रविवार को आलोचना की और कहा कि सरकारी तंत्र पूर्वोत्तर राज्य में करीब तीन महीनों से चल रहे जातीय संघर्ष पर काबू पाने में पूरी तरह नाकाम रहा है।

विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) के 21 सांसदों ने मणिपुर में शांति तथा सौहार्द लाने के लिए प्रभावित लोगों के तत्काल पुनर्वास की मांग करते हुए एक ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए और इसे राज्यपाल अनसुइया उइके को सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है, "पिछले कुछ दिनों में लगातार गोलीबारी और मकानों में आगजनी की खबरों से इसमें कोई शक नहीं रह गया है कि सरकारी तंत्र पिछले तकरीबन तीन महीने के लिए स्थिति पर नियंत्रण पाने में पूरी तरह नाकाम रहा है। विपक्षी दलों के सांसदों ने कहा कि पिछले तीन महीने से लगातार इंटरनेट पाबंदी निराधार अफवाहों को बल दे रही है जिससे समुदायों के बीच अविश्वास बढ़ रहा है। उन्होंने ज्ञापन में कहा, "माननीय प्रधानमंत्री की चुप्पी मणिपुर में हिंसा के प्रति उनकी घोर उदासीनता दिखाती है। विपक्षी दलों के नेताओं ने कहा कि समुदायों में गुस्सा तथा अलगाव की भावना है तथा इसे बिना किसी विलंब के निपटाया जाना चाहिए। सांसदों ने राज्यपाल से कहा, "हम आपसे अनुरोध करते हैं कि सभी प्रभावी कदम उठाते हुए शांति एवं सौहार्द बहाल किया जाए तथा इन कदमों में न्याय की आधारशिला होनी चाहिए। शांति एवं सौहार्द स्थापित करने के लिए प्रभावी लोगों का पुनर्वास सबसे जरूरी है। उन्होंने कहा, "आपसे केंद्र सरकार को पिछले 89 दिनों से मणिपुर में कानून एवं व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो जाने से अवगत कराने का भी अनुरोध किया जाता है ताकि वे शांति एवं सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए मणिपुर के अनिश्चित हालात में हस्तक्षेप कर सकें। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि कि दो समुदायों के लोगों की जान और संपत्तियों की सुरक्षा करने में "केंद्र तथा राज्य दोनों सरकारों की नाकामी, 140 से अधिक मौतों (आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार 160 से अधिक मौत), 500 से अधिक घायलों, 5,000 से अधिक मकान जलाए जाने और 60,000 से अधिक लोगों के आंतरिक विस्थापन के आंकड़ों से दिखती है। विपक्ष का प्रतिनिधिमंडल जमीनी हालात का जायजा लेने के लिए शनिवार को मणिपुर पहुंचा था तथा हिंसा के पीड़ितों से मुलाकात की थी। दो–दिवसीय दौरे के पहले दिन प्रतिनिधिमंडल इंफाल के अलावा बिष्णुपुर जिले के मोइरांग और चुराचांदपुर में कई राहत शिविरों में गया तथा जातीय संघर्ष से प्रभावित लोगों से मुलाकात की। मणिपुर के दौरे के बारे में सांसदों ने ज्ञापन में कहा कि उन्होंने चुराचांदपुर, मोइरांग और इंफाल में राहत शिविरों का दौरा किया तथा वहां शरण ले रहे पीड़ितों से बातचीत की।

देवरिया में पानी मांगने पर पीआरडी जवानों ने दिव्यांग को पीटा, मामला दर्ज

एजेन्सी

देवरिया। जिले के रूद्रपुर कोतवाली क्षेत्र में पानी मांगने पर पीआरडी (प्रांतीय रक्षक दल) के दो जवानों द्वारा कथित तौर पर एक दिव्यांग की पिटाई करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जवानों की सेवा समाप्त करने की संस्तुति की गयी है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा ने भारतीय दंड संहिता की सम्बंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज करा कर दोषी जवानों को बर्खास्त करने की संस्तुति की है। पुलिस अधीक्षक ने रविवार को बताया कि मरकड़ी गांव का दिव्यांग सचिन सिंह (45) शनिवार रात पूर्वी वाइपास स्थित एक ढाबे में खाना खाकर वापस अपने घर आ रहा था । उन्होंने बताया कि सिंह ने आरोप लगाया है कि आदर्श चौराहा पर ड्यूटी पर तैनात पीआरडी के जवान से जब उसने पानी मांगा तब उन्होंने उसे पानी नहीं दिया गया बल्कि उल्टा उसकी पिटाई कर दी गई।

सम्पादकीय

'इंडिया' दलों का मणिपुर दौरा

महात्मा गांधी के देश में जब मणिपुर जैसी कोई पैशाचिक घटना होती है तो पूरी दुनिया का ध्यान उसकी तरफ इसीलिए जाता है कि 75 साल पहले अंग्रेजों की दासता से मुक्त करने का जो रास्ता गांधी ने भारतवासियों को दिखाया था उसमें आपसी द्वेष व नफरत के लिए कोई जगह नहीं थी और इसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए गांधी ने अपने प्राणों की आहुति भी दे दी थी। 1947 की आजादी की बेला में जब यह देश हिन्दू–मुसलमान के नाम पर हिंसा से जल रहा था तो गांधी जी ने ही अकेले बंगाल में जाकर अपनी अहिंसा के बूते पर हजारों लोगों का कत्ल होने से बचा लिया था और तब के भारत के गवर्नर जनरल लार्ड माऊंट बेटन को भी कहना पड़ा था कि मुझे भारत के पूर्वी इलाके की कोई चिन्ता नहीं है क्योंकि वहां एक अकेले आदमी की सेना दंगों को रोकने में सक्षम है। मगर मुझे पश्चिमी भारत (पंजाब) की चिन्ता है जहां सेना की बटालियनें हिन्दू–मुस्लिम फसाद रोकने का यत्न कर रही हैं। दुर्भाग्य यह है कि हमारे पास कोई गांधी नहीं है और हो भी नहीं सकता क्योंकि प्रख्यात वैज्ञानिक आइनस्टाइन ने महात्मा गांधी से अमेरिका में मुलाकात के बाद कहा था कि 'आने वाली पीढ़ियां इस बात पर हैरत करेंगी कि कभी हाड़–मांस का बना कोई व्यक्ति गांधी भी इस धरती पर पैदा हुआ था'। मणिपुर के मुद्दे पर भारत की संसद में जो कुछ चल रहा है उसे पूरे भारतवासी अपनी खुली आंखों से देख रहे हैं और सोच रहे हैं कि राजनीति किस कदर संवेदनहीनता की हदें लांघती है? मणिपुर में जो कुछ भी पिछले तीन महीने में हुआ है वह पूर्वोत्तर की जन जातीय संस्कृति में ऐसा सुराख करने का प्रयत्न है जिसे भरने में कितना समय लगेगा, कुछ कहा नहीं जा सकता क्योंकि महिलाओं को नग्न करके परेड कराना इन राज्यों की संस्कृति कभी नहीं रही है। मगर गांधी ने इस देश के लोगों को जो संस्कार दिये हैं उनका अंश अभी भी कहीं न कहीं बाकी है। हालांकि विपक्षी दलों के गठबन्धन 'इंडिया' में शामिल राजनैतिक दलों ने यह कदम बहुत देर से उठाया है कि उनके 21 प्रतिनिधि सांसदों को इस राज्य का दौरा करके वहां के लोगों के घावों पर मरहम लगाना चाहिए परन्तु उनका यह प्रयास स्वागत योग्य है क्योंकि दुख की इस घड़ी में मणिपुरवासियों तक यह सन्देश जाना चाहिए कि उनके दुख के समय में पूरा भारत उनके साथ खड़ा हुआ है। इससे पहले कांग्रेस के नेता श्री राहुल गांधी ही एकमात्र ऐसे राष्ट्रीय राजनेता थे जो मणिपुर का दौरा करके आये थे और उन्होंने पीड़ित लोगों से मुलाकात करके उन्हें ढांढस बंधाने का काम किया था। मगर तब तक मणिपुर का वह वीडियो नहीं आया था जिसमें दो कुकी औरतों को नग्न करके भीड़ ने उनके साथ बाद में सामूहिक बलात्कार भी किया था। इस घटना के सार्वजनिक होने के बाद पूरा देश सकते में आ गया था और विचार करने लगा था कि क्यों लोकतान्त्रिक भारत के किसी राज्य में ऐसी घटना किसी संविधान के हिसाब से चुनी गई सरकार के साये में हो सकती है? इसी मणिपुर में वह घटना भी हुई जिसमें कारगिल युद्ध के एक वीर सैनिक की युवा पत्नी को भी दरिन्दगी का शिकार बनाया गया और उस वीर सैनिक को कहना पड़ा कि मैं अपनी मातृभूमि की रक्षा करने में तो सफल रहा मगर पत्नी की रक्षा नहीं कर सका। मणिपुर की घटनाएं सामान्य कानून– व्यवस्था को तोड़ने की घटनाएं नहीं हैं बल्कि ये सुनियोजित तरीके से पुलिस थानों से हथियार लूट कर उनका प्रयोग एक जनजाति के लोगों द्वारा दूसरी जनजाति के लोगों पर कहर बरपा करने की हैं। राज्य में संवैधानिक ढांचा ही समाप्त होने का स्वतःस्फूर्त संज्ञान देश की सबसे बड़ी अदालत सर्वोच्च न्यायालय ने ऐसे ही नहीं लिया है वरना हम रोज सुनते रहते हैं कि देश के विभिन्न राज्यों में महिलाओं से बलात्कार के कांड होते हैं। कल ही मध्यप्रदेश के सतना जिले के 'मैहर' में स्थित मां शारदा के प्रतिष्ठित व लाखों लोगों की श्रद्धा के प्रतीक मन्दिर के दो कर्मचारियों ने एक 11 वर्ष की कन्या के साथ बलात्कार किया। ऐसे मामलों में पुलिस तुरन्त कार्रवाई करती है चाहे घटना किसी भी राज्य की हो। मगर मणिपुर में तो सुनियोजित सांस्थानिक तरीके से महिलाओं को जनजातीय संघर्ष का औजार बना कर उनके साथ दरिन्दगी की गई जिसने दुनिया के 'काले इतिहास' के दौर की यादें ताजा कर दीं। मणिपुर में अभी भी राज्य सरकार काम कर रही है और इसका मुख्यमन्त्री अपने पद पर विराजा हुआ है जबकि राजधानी इम्फाल में ही एक केन्द्रीय राज्यमन्त्री का घर फूंक दिया गया। अतः सवाल सत्ता से पूछे जा रहे हैं। लोकतन्त्र का कायदा भी यही होता है कि हमेशा सवाल सत्ता से ही पूछे जाते हैं। मगर इंडिया दलों के सांसदों का यह फर्ज बनता है कि वे जमीन पर पूरे हालात का जायजा लेकर बिना किसी राजनैतिक लाग–लपेट के सरकार को जन–जातीय हिंसा के उपजने के कारणों के बारे में बताये और अपने दो दिन के मणिपुर प्रवास में मैतेई व कुकी–जोमो जनजातीय लोगों के बीच आपसी प्रेम व सौहार्द बनाने की अपील करें।

आज का राशिफल

मेष :– प्रतिभाओं के बावजूद हीन भाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित होगा। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। घर में खुशहाली रहेगी।

वृष :– किसी कार्य में सफलता से उत्साह में वृद्धि होगी। भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। परिश्रम से आर्थिक लाभ होगा।

मिथुन :– नीरस स्वभाववश रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में असमर्थ होंगे। सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी।

कर्क :– काफी दिनों से अवरोधित कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने के आसार बनेंगे। काफी दिनों से प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा में प्रयत्न सार्थक होगा।

सिंह :– नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा।

कन्या :– कर्जदारों से मन परेशान होगा। नये क्षेत्रों में प्रयास से लाभ संभव। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ संभव। नये संबंधों के सहयोग से आर्थिक कठिनाइयां दूर होंगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

तुला :– भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अतः व्यावहारिक बने। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरतें। कल्पनाओं में न जियें।

वृश्चिक :– किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। सकारात्मक सोच को अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें।

धनु :– संवेदनशील शरीर ग्रहों की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

मकर :– कुछ व्यासायिक कारणों से घर से दूर रहना पड़ सकता है। परिजनों की सुख–सुविधा के प्रति मन चिंतित होगा।

कुंभ :– अच्छे कायरें से परिजनों के दिल में जगह बनायें। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण कायरें में लापरवाही न करें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

मीन :– थोड़ा संयमी व धैर्यवान बने। भाग्य से प्राप्त अच्छी–बुरी सभी स्थिति में समझौतावादी बनें। कुछ नई व्यस्तताएं सामने आएंगी। महत्वपूर्ण दायित्वों की पूर्ति हेतु प्रयत्न तीव्र होगा।

मणिपुर के नाम पर राजनैतिक कोहराम

प्रेम शर्मा

मणिपुर और बंगाल में हुई घटनाएं भारतीय समाज पर ग्रहण है तो इसके लिए सरकार की गैर जिम्मेदारी को नकारा नही जा सकता। लेकिन मणिपुर को लेकर जो कोहराम मचा है वह न राष्ट्रहित में है न ही उससे कोई जनहित होगा। हॉ यह अलग बॉत है कि देश में बेरोजगारी और महंगाई जैसे मुद्दे से सत्ता पक्ष और विपक्ष की दूरियॉ जरूरत जनता को नजर आने लगी है। मणिपुर की घटनाओं पर चर्चा की मांग को लेकर संसद में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच चल रहा गतिरोध आखिर सरकार के खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव की वजह बन गया। खास बॉत यह कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों मणिपुर पर चर्चा चाहते हैं, फिर भी चर्चा नहीं हो पा रही। मॉनसून सत्र का एक–एक दिन हंगामे की भेंट चढ़ रहा है। अब चर्चा में नियम 176 और नियम 267 को लेकर विवाद है। चूंकि मामला कानून–व्यवस्था का है, इसलिए गृहमंत्री का बयान देना काफी है। बहरहाल, दोनों पक्षों की यही जिद है जिसकी परिणति अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस के रूप में हुई है। सवाल है कि इस अविश्वास प्रस्ताव से आखिर विपक्ष को क्या मिल जाएगा। सदन में सरकार को पूर्ण बहुमत हासिल है ही, अगर उसने जोर लगाया तो हो सकता है जिन दलों के विपक्षी गठबंधन की ओर जाने की थोड़ी–बहुत संभावना अभी बनी हुई है, उनमें से भी कुछ दल अविश्वास प्रस्ताव पर सरकार का समर्थन करते दिख जाएं। प्रधानमंत्री ने कह भी दिया है कि विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव लाना चाहता है तो लाए, उसे इससे कुछ हासिल नहीं होगा। दूसरी ओर, विपक्ष इस प्रस्ताव के जरिए किसी को हराना या जीतना नहीं चाहता। वह तो बस मणिपुर के मसले पर प्रधानमंत्री को सदन के सामने लाना चाहता है। जिसके लिए पीएम और सरकार तैयार ही नहीं हो रहे थे। अब इस प्रस्ताव पर चर्चा के बहाने न केवल मणिपुर पर विस्तृत चर्चा हो जाएगी बल्कि सदन में प्रधानमंत्री का विस्तृत बयान भी आ जाएगा। हालांकि संसद के मंच पर सत्ता पक्ष और विपक्ष की ऐसी रस्साकशी कोई नई बात नहीं है। इसे स्वस्थ लोकतंत्र का लक्षण ही कहा जाता है। विपक्षी दल मणिपुर हिंसा पर चर्चा की शुरुआत प्रधानमंत्री के वक्तव्य के साथ करने की अपनी मांग पर महज इसलिए अड़े थे ताकि अपने अहं को तुष्ट करने के साथ यह बता सकें कि आइएनडीआइए के गठन के बाद वे राजनीतिक रूप से कहीं अधिक शक्तिशाली हो गए हैं और प्रधानमंत्री को चुनौती देने की स्थिति में आ गए हैं। अंततः नया बना विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव ले आया। वह स्वीकार भी हो गया। अब प्रतीक्षा है उस पर बहस की। आइएनडीआइए भले ही अविश्वास प्रस्ताव को अपनी जीत समझ रहा हो और यह मानकर चल रहा हो कि उसे संसद में अपनी एकजुटता एवं ताकत दिखाने का अवसर मिलेगा, लेकिन एक तो इस प्रस्ताव का गिरना तय है और दूसरे, जब इस पर बहस होगी तो इसके भरे–पूरे आसार हैं कि सरकार और विशेष रूप से प्रधानमंत्री की ओर से इस नए गठबंधन की कथित एकजुटता की पोल भी खोली जाएगी और उसकी आपसी खींचतान को भी उजागर किया जाएगा। यही नही बहस केवल मणिपुर तक सीमित नहीं रहने वाली, क्योंकि हालिया पंचायत चुनावों के दौरान बंगाल में जो भीषण हिंसा हुई, कोई भी उसकी अनदेखी नहीं कर सकता–मोदी सरकार तो बिल्कुल भी नहीं। यह सही है कि अविश्वास प्रस्ताव लाकर विपक्ष ने अपने इस उद्देश्य को हासिल कर लिया कि मणिपुर के मामले में प्रधानमंत्री को सदन में बोलना ही पड़ेगा, लेकिन उसने उन्हें अपनी राजनीतिक हठधर्मिता को बेनकाब करने का अवसर भी दे दिया है।मणिपुर के हालात पर विपक्षी दलों की चिंता एक दिखावा ही अधिक दिखी, क्योंकि यदि वे वहां की स्थितियों को लेकर वास्तव में दुखी और गंभीर होते तो चार दिन संसद का काम रोक कर न तो नारेबाजी में अपनी ऊर्जा खपा रहे होते और न ही गृह मंत्री को सुनने से इन्कार कर रहे होते। विपक्ष जो भी दावा करे, सच यही है कि उसने अपने राजनीतिक हित भुनाने के फेर में इस परंपरा की अनदेखी करना पसंद किया कि जिस मंत्रालय का मामला होता है, उसके ही मंत्री को उस पर वक्तव्य देना होता है। मोदी सरकार के इस कार्यकाल में यह पहली बार विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव लेकर आया है। इसके पूर्व 2018 में उसे पराजय का सामना करना पड़ा था और इस बार भी उसे पराजय का सामना करना पड़ेगा, क्योंकि जहां भाजपा के नेतृत्व वाले राजग के पास लोकसभा में 330 से अधिक सदस्य हैं, वहीं आइएनडीआइए के पास इसके आधे भी नहीं हैं।

विचार करने योग्य यह कि विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए की ओर से पेश अविश्वास प्रस्ताव को लोकसभा में अनुमति मिल जाने के बाद भी सदन को नहीं चलने दिया जा रहा है। यह हठधर्मिता की पराकाष्ठा है और इसका प्रमाण भी कि विपक्ष ने ठान लिया है कि वह संसद के इस सत्र में कोई काम नहीं होने देगा।

उसके अड़ियल रवैये से यह साफ है कि वह न तो मणिपुर को लेकर गंभीर है और न ही संसदीय कामकाज में उसकी कोई दिलचस्पी है।समझना कठिन है कि जब उसने अविश्वास प्रस्ताव के जरिये अपने इस उद्देश्य को हासिल कर लिया, तब फिर उसके लिए संसद में हंगामा करना आवश्यक क्यों है? आइएनडीआइए के घटक दल भले ही यह जताने की चेष्टा कर रहे हों कि वे मणिपुर के साथ देश की अन्य समस्याओं की चिंता में दुबले हुए जा रहे हैं, लेकिन सच यह है कि वे नितांत अगंभीर हैं और अतार्किक रवैया अपनाए हुए हैं। उनकी अगंभीरता का प्रमाण इससे मिलता है कि वे नारे लिखी अपनी तख्तियां लहराने के लिए अतिरिक्त परिश्रम कर रहे हैं। कोई भी समझ सकता है कि उन्होंने संसद में काले कपड़ों में दिखने के लिए भी अपनी ऊर्जा खपाई होगी। यह हास्यास्पद है कि विपक्षी दल एक ओर राष्ट्रीय हितों की रक्षा की दुहाई दे रहे और दूसरी ओर संसद में राष्ट्रीय अथवा आम जनता से जुड़े किसी विषय पर चर्चा भी नहीं होने दे रहे। यदि वे यह मानकर चल रहे हैं कि जनता को यह सब समझ नहीं आ रहा होगा तो इसका मतलब है कि वे उसे बिल्कुल नादान मान बैठे हैं। जनता सब देख भी रही है और समझ भी कि कौन संसद न चलने देने पर आमादा है? यदि आइएनडीआइए के सदस्य अपने गठबंधन को इंडिया नाम देकर यह मान बैठे हैं कि वे भारत का पर्याय बन गए हैं, तो इसे मुगालते के अलावा और कुछ नहीं कहा जा सकता। देश की जनता को ऐसे मुगालते दूर करना अच्छे से आता है।लेकिन मणिपुर में जिस तरह के दृश्य पिछले दिनों देखने को मिले, उसके मद्देनजर इस तरह की कवायद मायूस करती है। कानून व्यवस्था में चूक स्थानीय सरकार का मसला है। ऐसी चूके लगभग हर राज्य सरकार में देखने को मिल जाती है। इसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। लेकिन बेहतर होता कि विपक्ष और सरकार आपस में बातचीत से सहमति की कोई सूरत निकाल कर मणिपुर पर विस्तृत चर्चा कर लेते और इसके लिए अविश्वास प्रस्ताव की नौबत न आती।

जनविश्वास विधेयक पर उठते सवाल

आदित्य नारायण

संसद में मणिपुर पर चल रहे हंगामे के बीच लोकसभा में जनविश्वास बिल पारित कर दिया गया है। इस बिल के जरिये कारोबारियों को काफी राहत मिलेगी। क्योंकि इसमें 42 अधिनियमों के 188 प्रावधानों का संशोधन कर छोटी–मोटी गड़बड़ियों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने का प्रस्ताव किया गया है। कई प्रावधानों को अपराध मुक्त करने से कारोघ्बारियों को अब जेल नहीं जाना पड़ेगा। अब वे भारी–भरकम जुर्माना देकर बच सकेंगे। कारोबारी सुगमता की दृष्टि से देखें तो यह विधेयक पहली नजर में सभी को अच्छा लगेगा। कई बार छोटी–मोटी गलती के कारण कारोबारियों को अदालतों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। उन्हें नौकरशाहों के भ्रष्टाचार के जाल में फंसना पड़ता है। पिछले 9 वर्षों के शासनकाल के दौरान मोदी सरकार ने लगभग 40 हजार प्रावधानों और प्रतिक्रियाओं को या तो सरल बना दिया गया या हटा दिया गया, जिनसे लोगों के लिए समस्याएं पैदा होने की आशंका थी। मोदी सरकार अब तक 1486 पुराने कानूनों को निरस्त कर चुकी है जो आज के दौर में अर्थहीन हो चुके हैं। जनविश्वास संशोधन विधेयक के तहत धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) में भी संशोधन करने का प्रस्ताव है। इस अधिनियम के पैराग्राफ 25 और 27 को हटाया गया है। इन प्रावधानों को हटाने से प्रवर्तन निदेशालय की शक्तियां कम हो जाएंगी। सरकार का कहना है कि इससे अदालतों का बोझ कुछ कम होगा। मुकद्दमों की संख्या घटेगी। इस बिल में कई अपराधों में सजा की बजाय जुर्माने का प्रावधान किया गया है और जिन सजाओं में पहले से जुर्माना लग रहा है, वहां जुर्माना राशि कई गुणा बढ़ा देने का प्रस्तावघ किया गया है। जनविश्वास बिल को लेकर सवाल भी उठ खड़े हुए हैं। इस विधेयक में ड्रग्स एवं कॉस्टमेटिक्स एक्ट 1940 में दो संशोधन किए गए। पहला संशोधन किसी दवा के विज्ञापन के लिए सरकारी विश्लेषण या परीक्षण रिपोर्ट का उपयोग करने के बार–बार अपराध के लिए सजा को बदलने का प्रावधान करता है। पहले इसके लिए दो साल की सजा या दस हजार रुपए से अधिक का जुर्माना किया जाता था, जिसे अब पांच लाख रुपए कर दिया गया है। दूसरा संशोधन 1940 अधिनियम की धारा 27 (डी) के तहत परिभाषित मानक गुणवत्ता से कम या घटिया स्तर की दो साल की कैद और 20 हजार रुपए जुर्माने की जगह अब केवल जुर्माने का ही प्रावधान करता है। यद्यपि स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि नए कानूनों से दवाओं के मामले में कोई समझौता नहीं करता लेकिन विधि विशेषज्ञों ने इस पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत की फार्मा कम्पनियों की दवाओं की गुणवत्ता को लेकर न केवल देश में बल्कि विदेशों में भी सवाल उठाए जा रहे हैं। कई देशों ने भारतीय कम्पनियों द्वारा सप्लाई की जाने वाली खांसी की दवाओं पर प्रतिबंध लगा घदिया गया है। अगर फार्मा कम्पनियों को केवल जुर्माना भरकर बच जाने की छूट दी गई तो वह घटिया स्तर की दवाएं बनाने की ओर प्रोत्साहित होंगी। सब जानते हैं कि देश में नकली और घटिया दवाओं का व्यापार फलफूल रहा है। यद्यपि मिलावटी दवाओं जिससे मौत हो सकती है उसकेघ लिए आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान है लेकिन नकली दवाओं से जिनका कोई दुष्प्रभाव न हो उनको अपराध मुक्त श्रेणी में डालना उचित नहीं होगा। अगर देश के लोगों को घटिया स्तर की दवाइयां भी महंगे दामों पर मिलेंगी तो इससे अपराध को और बढ़ावा मिलेगा। यह विधेयक ड्रग्स और कॉस्मेटिक्स एक्ट के प्रावधानों को कमजोर बनाएगा। विधेयक पर विचार करने वाली संसदीय समिति ने भी ऐसे कई पहलुओं को नजरंदाज किया है। बिल को राज्यसभा में भी पेश किया जाना है। बिना गम्भीर बहस के विधेयक को पारित करना जोखिम भरा होता है। बेहतर यही होगा कि इस विधेयक को प्रवर समिति के हवाले किया जाए और विधेयक के प्रावधानों पर फिर से विचार घ्किया जाए। इस बात पर विचार किया जाना चाहिए कि कोई भी दवा जो सुरक्षा मापदंडों में विफल रहती है या जिन्हें अस्वच्छ परिस्थिघतियों में बनाया गया हो या घबिना लाइसैंस के बनाया गया हो उसके लिए कठोर प्रावधान लागू रहने चाहिए। यदि किसी भी घटिया दवा से शारीरिक नुक्सान पहुंचता है तो उसके लिए किसी न किसी को जवाबदेह या अपराधी तो ठहराया ही जाना चाहिए। कई सवालों का जवाब तो ढूंढना ही पड़ेगा।

आत्मनिर्भर, स्वाभिमानी नागरिक राष्ट्र की विशिष्ट संपत्ति

संजीव ठाकुर

किसी भी राष्ट्र के स्वाभिमानी आत्मनिर्भर तथा स्वावलंबी नागरिक देश की विशिष्ट संपतिया होते हैंस उत्कृष्ट आचरण संहिता वाले नागरिक ही राष्ट्र को विकास तथा चारित्रिक सफलता दिलाने में सदैव मददगार होते हैंस यदि किसी राष्ट्र की संस्कृति, संस्कार एवं नागरिक श्रेष्ठ स्वाभिमानी और स्वावलंबी हों तो उस देश को प्रगति और विकास के मार्ग में जाने से कोई बाधा रोक नहीं सकती है। पराधीन सपने हूं सुख नाही यह लोकोक्ति हर स्वाभिमानी आदमी और स्वतंत्रता प्रेमी व्यक्ति को याद रहती है। स्वावलंबन या आत्मनिर्भरता ही मनुष्य को स्वाधीन बनाने की प्रेरणा देती है। आत्मनिर्भरता की स्थिति में व्यक्ति अपनी इच्छाओं को अपनी सुविधा अनुसार पूरा कर सकता है, इसके लिए दूसरों की तरफ मुंह ताकने की जरूरत नहीं पड़ती है। आत्मनिर्भरता केवल मनुष्य के लिए व्यक्तिगत रूप से ही जरूरी नहीं है, बल्कि राष्ट्र के लिए भी अति आवश्यक है। एक स्वतंत्र राष्ट्र अपनी जनता को अपनी क्षमता के अनुसार सारी सुविधाएं तथा अन्य जीवन उपयोगी साधन उपलब्ध करा सकता है। भारत स्वतंत्रता के बाद हरित क्रांति सातवें दशक के प्रारंभ के बाद ही खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बन सका, इसके साथ ही भारत में खुशहाली की स्वाभाविक तौर पर वृद्धि हुई, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी कहा था कि ष्एक राष्ट्र की शक्ति उसकी आत्मनिर्भरता में है दूसरों से उधार लेकर काम चलाने में नहींष्पाकिस्तान की स्थिति बिल्कुल ऐसी ही है वह अभी तक स्वतंत्रता के बाद से 75 वर्ष के बाद भी संपूर्ण रूप से आत्मनिर्भर नहीं हो पाया है, वह कर्जे से डूब गया है और अपने देश में खर्चा चलाने के लिए पूरी दुनिया से उधार मांगते हुए घूम रहा है। पाकिस्तान आत्मनिर्भर नहीं होने का एवं उधार की जिंदगी जीने का एक बहुत बड़ा उदाहरण है। जबकि भारत देश विज्ञान, टेक्नोलॉजी, मेडिकल साइंस,इंजीनियरिंग और कृषि सेवा, खनिज,स्पेस रिसर्च में पूर्णता आत्मनिर्भर होकर विकसित देशों के बराबर खड़ा हुआ है। यह देशवासियों और देश के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। आत्मनिर्भरता या स्वावलंबन किसी भी देश की प्रगति विकास तथा और उसके नागरिकों की जिंदगी की जिजीविषा है जिससे वह संघर्ष कर आगे बढ़ता है। इतिहास गवाह है कि किसी भी महान लेखक को महान बनने तक निरंतर मेहनत कर किताबें लिखने का का श्रम करना पड़ा एवं आत्मनिर्भरता की स्थिति में विचार कर अपने विचारों को लिपिबद्ध करना पड़ा तब जाकर वह महानता की श्रेणी को प्राप्त कर सका। इसी तरह कोई छात्र अपने जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहता है तो उसे स्वयं परीक्षा में शामिल होना पड़ेगा एवं परीक्षा में मनोवांछित सफलता प्राप्त कर उसे स्वयं अध्ययन करना होगा।

इसी प्रकार जीवन के हर क्षेत्र में भी मनुष्य को आत्मनिर्भर होकर मेहनत कर दीक्षित सफलता प्राप्त करनी पड़ेगी। हमारा देश भारत भी आजादी के बाद से आत्मनिर्भरता की ओर अग्रेषित हुआ आज स्थिति यह है कि वह विश्व में विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में आ खड़ा हुआ है। तमाम महापुरुषों के जीवन से भी हमें आत्मनिर्भरता तथा स्वावलंबन की शिक्षा मिलती रहती है। महात्मा गांधी अपना कार्य स्वयं किया करते थे। गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी ष्दैव दैव आलसीष पुकारा है, तब जाकर उनकी जिंदगी पटरी पर आई और हमें परिश्रम कर आत्म निर्भर होने की शिक्षा प्रदान की थी। दूसरों पर निर्भरता हमें दूसरों का अनुसरण करने के लिए मजबूर करती है। दूसरों पर निर्भर होने से हमें के अनुरूप ही जीवन जीने के लिए बाध्य होना पड़ता है। पराधीनता हमारा आत्मविश्वास सृजनशीलता सोचने की शक्ति को नष्ट कर देती है। गुलामी एक अभिशाप होती है, आत्मनिर्भरता की कमी हमें किंकर्तव्यविमूढ़ बना देती है। दूसरों की कृपा पर जीने वाला व्यक्ति जीवन के अक्षय आनंद से वंचित रहता है। खुद के परिश्रम श्रम से आगे बढ़ने वाला देश या व्यक्ति या समाज सदैव प्रफुल्लित आत्म विश्वासी तथा विकास की ओर सदैव अग्रसर रहता है। हमें सदैव अपने अंदर के आत्मविश्वास, छिपी हुई क्षमताओं मनोबल का सहारा लेकर आत्मनिर्भर या स्वावलंबी बनने का प्रयास हमेशा करते रहना चाहिए। ऐसा करने से मनुष्य को मनुष्य होने का अधिकार प्राप्त होता है। पराधीन देश सामान्य व्यक्ति सदैव पशु तुल्य होते हैं। जिनका अपना कोई विचार या व्यक्तित्व नहीं हो सकता है। कवि हरिवंश राय बच्चन की कविता–राम सहायक उनके होते,जो होते हैं, आप सहायक,हम सबको स्वयं पर भरोसा रखना आत्मबल बढ़ाने तथा आत्मनिर्भर होने की प्रेरणा देती रहती हैं।

बेदखल हिंदुओं-सिखों को दें विधानसभा की 24 खाली सीटें

विजय क्रांति

केंद्र सरकार संसद के मौजूदा सत्र में जम्मू–कश्मीर विधानसभा को लेकर नया विधेयक पेश करने जा रही है। कुछ लोग इस पहल को 'ऐतिहासिक' बता रहे हैं, लेकिन इस बिल के मसौदे ने उन लोगों को मायूस किया है, जो जम्मू–कश्मीर की व्यवस्था को भारत विरोधी बनाए रखने वाले मूलभूत कारणों की इससे हमेशा के लिए समाप्ति की आस लगाए हुए थे। केंद्र सरकार का दावा है कि इस पहल के माध्यम से कश्मीरी हिंदुओं और गुलाम कश्मीर से बेदखल किए गए नागरिकों के लिए विधानसभा में तीन सीटें आरक्षित करने से उन्हें न्याय मिलेगा, लेकिन बीते सात दशकों में जम्मू–कश्मीर की राजनीति और सामाजिक व्यवस्था में आए चारित्रिक परिवर्तनों को देखते हुए यह खतरा बढ़ गया है कि यह नया बिल कुछ सुधार लाने के बजाय राज्य के शासन–प्रशासन पर उन्हीं विभाजनकारी तत्वों के शिकंजे को हमेशा के लिए सुनिश्चित न कर दे, जो जम्मू–कश्मीर में सांप्रदायिक आधार पर अन्याय और भारत विरोधी माहौल के लिए जिम्मेदार हैं। बात केवल इतनी ही नहीं है। विधानसभा में 1951 से खाली रखी जा रही 24 सीटों को भरने के बजाय मात्र तीन सीटों पर निर्वासित कश्मीरियों और गुलाम कश्मीर विस्थापितों के समायोजन का नया कानून इन भारत समर्थक समुदायों में फूट के बीज बो सकता है। यह भी ध्यान रखें कि महबूबा मुफ्ती और अन्य कुछ नेता इन सीटों पर नामांकन का अधिकार भी उपराज्यपाल के बजाय अपने हाथ में रखना चाहते हैं। केंद्र सरकार द्वारा गठित परिसीमन आयोग ने राज्य में विधानसभा की सीटें 111 से बढ़ाकर 114 कर दी हैं। पहले कश्मीर में 46 और जम्मू में 37 सीटें थीं। अब इस अंतर को घटाकर कश्मीर में 46 और जम्मू में 43 सीटों का प्रविधान किया गया है। अगस्त 2019 में राज्य पुनर्गठन के कारण लद्दाख के हिस्से की चार सीटें भी अब नई जम्मू–कश्मीर विधानसभा का हिस्सा हैं। हालांकि, पुनर्गठन आयोग ने शेष 24 सीटों को पूर्व की तरह खाली छोड़ दिया। इसके चलते राज्य की विधानसभा में बहुमत वाला संतुलन कश्मीर घाटी के पक्ष में झुका रहेगा। संसद में पेश होने वाला बिल इस असंतुलन को संवैधानिक मान्यता देकर उसे स्थायी कर देगा। वर्ष 1951 में जब देश के संसदीय और विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन के लिए पहला आयोग बना था, तब प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने जम्मू–कश्मीर में बिना किसी चुनाव के ही नियुक्त किए गए अपने चहेते 'प्रधानमंत्री' शेख अब्दुल्ला को राज्य विधानसभा का परिसीमन करने का अधिकार दे दिया था। तब शेख ने मनमाने ढंग से 100 सदस्यीय विधानसभा का गठन किया। उसमें कश्मीर घाटी को 43 सीटें, जम्मू को 30 और लद्दाख को मात्र दो सीटें दी गई थीं। जबकि राज्य की राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था पर कश्मीर घाटी के वर्चस्व के लिए उन्होंने बची हुई 25 सीटों को पीओजेके–गुलाम कश्मीर की मुक्ति होने तक खाली छोड़ दिया। बाद में शेख अब्दुल्ला के इस 'परिसीमन आयोग' को 1957 का 'जम्मू–कश्मीर जनप्रतिनिधि एक्ट' बनाकर कानूनी रूप दे दिया गया। 1995 में राज्य के दूसरे परिसीमन में विधानसभा की सीटें बढ़ाकर 111 कर दी गईं। इनमें कश्मीर घाटी को 46, जम्मू को 37 और लद्दाख को चार सीटें दी गईं। तब भी विधानसभा पर कश्मीरी नेताओं का दबदबा बनाए रखने के लिए 24 सीटें गुलाम कश्मीर के नाम पर खाली छोड़ दी गईं। इससे पहले अनुच्छेद–370 की आड़ लेकर 2002 में नेशनल कांफ्रेंस सरकार ने भारत सरकार को राज्य में चौथे परिसीमन आयोग के प्रविधान लागू करने से रोक दिया, ताकि राज्य की व्यवस्था पर कश्मीरी नियंत्रण बना रहे। उस सरकार ने राज्य के संविधान में 29वां संशोधन करके विधानसभा के गठन को 2031 की जनगणना होने तक रोक दिया। इसका अर्थ था कि विधानसभा के प्रारूप में 2036 के चुनाव तक कोई बदलाव नहीं किया जा सकता। विधानसभा पर अपने नियंत्रण और अनुच्छेद–370 के माध्यम से कश्मीरी नेताओं के मनमाने, अलोकतांत्रिक और अमानवीय फैसलों के उदाहरणों की भरमार है। ऐसे उदाहरण किसी भी लोकतंत्र को शर्मसार करते हैं। जैसे शेख अब्दुल्ला द्वारा 1957 में पंजाब से रिझाकर लाए गए वाल्मीकि समुदाय, पश्चिमी पाकिस्तान से आए शरणार्थियों, राज्य के महाराजा की सेना में पीढ़ियों से सेवारत गोरखा सैनिकों के परिवारों और इन समुदायों की भावी पीढ़ियों से नौकरी, उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश और विधानसभा में वोट देने के अधिकार कानूनन छीन लिए। यहां तक कि उन्हें जमीन खरीदने, सहकारी बैंक से ऋण लेने और केंद्र की इंदिरा आवास योजना जैसी सुविधाओं का इस्तेमाल करने पर प्रतिबंध लगा दिया। 2019 में मोदी सरकार के संवैधानिक संशोधन के बाद ही ये प्रतिबंध समाप्त हुए। पाकिस्तानी हमले में मुजफ्फराबाद, मीरपुर, कोटली आदि में अपना सब कुछ लुटाकर आए हिंदू और सिख शरणार्थियों के लिए भी शेख सरकार ने इतनी कठिन परिस्थितियां उत्पन्न कर दीं कि उनका एक बड़ा तबका बाद में राज्य छोड़कर ही चला गया। राज्य सरकार ने कई प्रशासनिक पेचीदगियां खड़ी करके इनमें से अधिकांश परिवारों को जम्मू–कश्मीर से बेदखल भी कर दिया। मैं स्वयं एक ऐसे ही परिवार से हूं। संसद में पेश किए जाने वाले बिल को लेकर यही शिकायत है कि इसके पारित होने से केवल 2031 या 2036 तक ही नहीं, बल्कि अनंतकाल तक जम्मू–कश्मीर विधानसभा पर कश्मीर घाटी और वहां के नेताओं का वर्चस्व कायम रहेगा। नए कानून में विधानसभा में खाली रखी गईं 24 सीटें गुलाम कश्मीर के विस्थापितों और घाटी से बेदखल किए गए हिंदुओं तथा सिख समुदाय के प्रतिनिधियों को देकर राज्य को हमेशा के लिए अतिवादी राजनीति से मुक्त कराया जा सकता था। इन सीटों पर कोई साहसिक फैसला करने के बजाय केंद्र सरकार ने गुलाम कश्मीर से आए समाज को मात्र एक नामित सीट देकर और युगों से कश्मीर घाटी का अभिन्न हिस्सा रहे हिंदुओं को मात्र दो सीटों का झुनझुना पकड़ाकर ऐसा काम किया किया है।

भाजपा सरकार धर्म के नाम पर लोगों को ठगने का काम किया है : शिवपाल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव दूसरे दिन शक्तिपीठ शीतला धाम चौकिया का दर्शन पूजन किया और उन्होंने राहुल त्रिपाठी के नेतृत्व में मौजूद स्थानीय लोगों से कहा भाजपा सरकार धर्म के नाम पर लोगों को ठगने का काम किया है उनका धर्म में कोई भी आस्था विश्वास नहीं है वह सिर्फ धर्म के नाम पर जनता को गुमराह करतें है समाजवादी पार्टी हर धर्मों का सम्मान करतीं हैं हम ध र्म कर्म का राजनीतिक लाभ लेने वाले लोग नहीं है अपने–अपने आस्था का विषय जो हम करते हैं और भाजपा अपने ढोंग को धर्म से जोड़कर जनता को गुमराह करतीं हैं भाजपा वाले किसी धार्मिक स्थल पर जाते हैं उसके 1 सप्ताह पहले ही पूरी टीवी चौनलों पर चलने लगता है कि इस तारीख को प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री मंत्री दर्शन करने जा रहे हैं आस्थावान लोग बिना बताए दर्शन पूजन करने जाते हैं मै भी कल से जौनपुर आया हूँ शीतला माता के प्रति हमारी आस्था थी । बिना कोई प्रचार किए मां का दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। जिनको भगवान में आस्था रहती है वह प्रचार नहीं करते हैं। जिनको भगवान के नाम पर गुमराह करना है वह दर्शन पूजन करने से पहले ही उसका प्रचार करने का काम करतें है जिसमें भाजपा नंबर एक पर है भाजपा के लोगों ने तो भगवान को भी जातियों में बाट दिया वह सिर्फ और सिर्फ धर्म के नाम पर राजनीति करना चाहते हैं उनका विकास पर रोजगार महंगाई इस पर कोई ध्यान नहीं हैं भ्रष्टाचार लूट हत्या बलात्कार अपराध सबसे ज्यादा भाजपा सरकार मे हो रहा है।वहां मुख्य विधायक लकी यादव, पंकज पटेल,पूर्व मंत्री कुंवर वीरेंद्र प्रताप सिंह पूर्व विधायक लालबहादुर यादव, सत्येंद्र उपाध्याय,डां अवधनाथ पाल राहुल त्रिपाठी,आशू त्रिपाठी, तोजय त्रिपाठी, कन्हैया यादव, उमाशंकर प्रधान, प्रमोद यादव पुजारी विनय आदि लोग मौजूद रहे।

देशी शराब के साथ दो अभियुक्तों गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। केराकत पुलिस ने अवैध देशी शराब के साथ दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

डा0 अजय पाल शर्मा, पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद में अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम व संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाएं जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी केराकत के पर्वेक्षण में थाना केराकत पुलिस टीम द्वारा दो व्यक्तियों को 45 सीसी प्लास्टिक की बोतल में कुल 09 लीटर देशी नाजायज शराब के साथ गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तारी बरामदगी के आधार पर धारा–60 आबकारी अधिनियम पंजीकृत किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त में

1.विकाश कुमार पुत्र राजदेव राम निवासी बकुलिया थाना केराकत

2.राजकुमार पुत्र अशोक कुमार निवासी बकुलिया थाना केराकत शामिल है।

पुरानी पेंशन बहाली के लिए अखिल भारतीय महासंघ की 3 अगस्त का बैठक

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ के प्रदेश महामंत्री ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि चतुर्थ श्रेणी की भर्ती को लेकर एवं पुरानी पेंशन बहाली को लेकर अखिल भारतीय चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी सरकारी महासंघ द्वारा 3 अगस्त 2030 को आंध्र प्रदेश में सभी राज्यों की बैठक विजयवाड़ा राष्ट्रीय अध्यक्ष केआर गणेशन के अध्यक्षता में संपन्न होगी। बैठक में सभी राज्यों के महासंघ के हर राज्य से अध्यक्ष महामंत्री राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारी सम्मिलित होंगे। सुरेश यादव ने बताया कि इस बैठक में उत्तर प्रदेश से 100 प्रतिनिधि शामिल होगें। उत्तर प्रदेष चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी महासंघ के महामंत्री सुरेश सिंह यादव ने बताया कि बैठक में पूरे भारतवर्ष में चतुर्थ श्रेणी संवर्ग के 9000000 पद स्वीकृत हैं। इसके सापेक्ष 40 प्रतिषत से अधिक लोग सेवानिवृत्त हो गए हैं। लगभग 4000000 से अधिक चतुर्थ श्रेणी के पद रिक्त हैं। पूरे राज्यों में जिसको तत्काल भरे जाने को लेकर अहम बैठक तत्काल बुलाई गई है।

अधिमास के दूसरे सोमवार को पृथ्वीनाथ मंदिर पर बड़ी संख्या में शिव भक्तों ने किया जलाभिषेक

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

खरगूपुर, गोंडा। पौराणिक पृथ्वीनाथ मन्दिर पर अधिमास के दूसरे सोमवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक व पूजन अर्चन किया।यह सिलसिला देर शाम तक चलता रहा।

पांडव कालीन पृथ्वीनाथ मंदिर का कपाट मलमास(अधिमास) के दूसरे सोमवार को तीसरे पहर से खुलते ही श्रद्धालुओं का तांता लग गया और पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो गया। मण्डल के विभिन्न जिलों सहित क्षेत्रीय महिला पुरुष श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए अलग–अलग कतारों में एकत्रित हो गए।मंदिर परिसर व गर्भगृह हर–हर महादेव,बम–बम भोले,नमः शिवाय, जय शिव शंकर,जय महाकाल से गूँजमान रहा।शिव भक्तों ने गंगाजल,दुग्ध ,बेलपत्र,समी,भांग,धतूर,पुष्प के साथ जलाभिषेक कर मनौतिया पूरी होने की कामनाएं की।पुलिस ने मंदिर जाने वाले मुख्य मार्गों पर बैरियर बनाकर दो व चार पहिया वाहनों का प्रवेश बंद कर दिया था। युवतियों व महिलाओं ने व्रत रखकर जलाभिषेक व पूजन अर्चन किया। देर रात शुरू हुआ जलाभिषेक का कार्यक्रम सायं तक चलता रहा।प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार द्विवेदी व मेला प्रभारी चन्द्र भूषण पांडेय ने संयुक्त रूप से बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था के लिए स्थानीय पुलिस के अतिरिक्त अन्य थानों की पुलिस व पीएसी बल तैनात की गई थी।

डॉ अंबिकेश एनसीईआरटी टीम में सदस्य के रुप में शामिल

भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर एनसीईआरटी दिल्ली द्वारा विकसित किए गए बुनियादी स्तर पर राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रुपरेखा के परिप्रेक्ष्य में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।इस मौके पर अयोध्या जिले से एसआरजी डा अम्बिकेश त्रिपाठी भी इस टीम के सदस्य के रुप में चुने गए। डॉ अंबिकेश को इस टीम में शामिल करने पर वहां पर मौजूद कर्मियों व शिक्षकों ने एनसीईआरटी के निदेशक पवन सचान और सभी शिक्षाविदों का बहुत बहुत आभार व्यक्त किया।इस मौके पर उत्तर प्रदेश के राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, लखनऊ के द्वारा राज्य पाठ्यचर्या की रुपरेखा – फाउंडेशनल स्टेज के विकास हेतु चर्चा किया गया।

भारत विकास परिषद शौर्य शाखा की कार्यकारिणी का हुआ गठन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारत विकास परिषद शौर्य शाखा के नवचयनित अध्यक्ष डॉ. संदीप पांडेय के नेतृत्व में जिले के प्रतिष्ठित विद्यालय सूर्यबली सिंह पब्लिक इण्टर कॉलेज के प्रांगण में कार्यकारिणी के गठन का कार्य किया गया। जिसमें मार्गदर्शक मंडल सदस्य के रूप में डॉ. शैलेश सिंह, उपाध्यक्ष के पद पर जनार्दन पांडेय, अनिल गुप्ता, अमित पांडेय तथा सह सचिव के पद पर रविकेश श्रीवास्तव और सह महिला संयोजिका के पद पर मीरा अग्रहरी का चयन किया गया। इसके पश्चात विभिन्न प्रकल्पों में डा. जयेश सिंह को चिकित्सा, डॉ. राजेश और प्रमोद माली को दिव्यांग सहायता, आनंद स्थाना को भारत को जानो, अमित पाण्डेय को पर्यावरण, अनिल गुप्ता को समूह गान, आनन्द वर्मा को गुरु वंदन छात्र अभिनंदन, प्रमोद मौर्या को बनवासी सहायता, प्रशांत सिंह लकी को रक्तदान तथा शलिनी निगम को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का प्रकल्प प्रमुख बनाकर जिम्मेदारी दी गई। जिला समन्वयक नीरज श्रीवास्तव ने कार्यकारिणी के चयन पर अध्यक्ष डॉ. संदीप पांडेय को बधाई दी। पूर्व अध्यक्ष विक्रम गुप्त, अवधेश गिरी तथा अतुल जायसवाल ने नई कार्यकारिणी को ढेर सारी शुभकामनाएं दी। डॉ. संदीप पांडेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत विकास परिषद की नई शाखा अपने सेवा कार्यों से राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बनाएगी। कार्यक्रम में डॉ. पूनम सिंह, कंचन पांडेय, ज्योति श्रीवास्तव, पंकज सिंह, नारायण चौरसिया, डा. अमरनाथ पांडेय, डा. विकास यादव, डा. अरुण मिश्र, केके मिश्र, शेखर गुप्ता, संजीव शुक्ला, राघवेन्द्र सिंह, अनिल कुमार सिंह, रामजी गुप्ता, शमशेर बहादुर पाल आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन संस्था के सचिव डॉ. आनंद प्रकाश ने किया।

धूल व जाम से जनता के अलावा मरीजों को हो रही अधिक परेशानी

धूल से बचने के लिए करे मास्क का प्रयोग - डॉ रंजना

अयोध्या।अगर आप निर्माणाधीन राम पथ पर चल रहे है या फिर उसके आसपास रह रहे हैं तो आपको धूल से काफी सावधानी बरतनी होगी।क्योंकि इस समय वहां पर धूल ही धूल दिखाई दे रही है।इस समय इससे सबसे अधिक खतरा जिला व निजी चिकित्सालय में आने वाले मरीजों को हो रही है। मालूम हो कि जिला चिकित्सालय, महिला चिकित्सालय के समीप राम पथ का निर्माण कार्य चल रहा है। जिसके चलते वहा पर जाम से वहां पर इलाज कराने वाले मरीज तो परेशान ही हो रहे हैं इसके अलावा उधर उड़ रही धूल से यहां पर आने वाले मरीज फेफड़े से संबंधित रोगों के फैलने से आशंकित रहते हैं।यही दशा शहर के फतेहगंज, रिकाबगंज,रीडगंज,साहबगंज,सिविल लाइन,गुदड़ी बाजार,नियांवा,नाका, देवकाली,अलका टावर,जनाना अस्पताल रोड सहित कई चौराहों व स्थानों पर राम पथ निर्माण कार्य के चलते उड़ते धूल से सभी परेशान हैं।वही इन जगहों पर घंटों जाम लगा रहता है।जिसमें खासकर एंबुलेंस के माध्यम से गंभीर हालात में जिला चिकित्सालय व महिला चिकित्सालय के साथ–साथ अन्य निजी चिकित्सालय में भर्ती होने के लिए आने वाले मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।वहां पर घंटों जाम के चलते गंभीर रूप से भर्ती मरीज समय से इन चिकित्सालयो में नहीं पहुंच पा रहे है।इसके अलावा स्थानीय लोग भी इस जाम व धूल से परेशान हैं। वही इस समस्या पर नगर निगम प्रशासन कोई कदम नहीं उठा रहा है।कभी कभार धूल न उड़े इसके थोड़ी दूर तक टैंकर से पानी डालकर महज खानापूर्ति कर रही है।वही इस संबंध में डाक्टर रंजना शुक्ला ने बताया कि धूल से हमारे फेफड़ों पर सीधे असर पड़ता है।जिसके चलते लोगों को सांस लेने में दिक्कत होती है।यहां तक कि इससे ग्रसित मरीजों को फेफड़े में संक्रमण हो सकता है। उन्होंने बताया कि जब भी आप इधर से गुजरे तो मास्क का प्रयोग करें वही हो सके तो हेलमेट का प्रयोग करें। जिससे धूल से बचा जा सके।

अवध में राम आये हैं भजन पर लोक नृत्य के माध्यम से की गई सामूहिक प्रस्तुति

ब्यूरो चीफ आर.एल.पाण्डेय

लखनऊ। सांस्कृतिक मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से लखनऊ स्थित सुर कला संगम संस्था के द्वारा आयोजित लोक नृत्य एवं गायन की पांच दिवसीय कार्यशाला 2023 रामलीला मैदान ऐशबाग के तुलसी भवन सभागार में संपन्न हुई।

कार्यक्रम का संचालन कर रहे विशाल रस्तोगी के द्वारा मंच से निवेदन करने पर कार्यक्रम के आरंभ में परंपरा के अनुसार मुख्य अतिथि आरडीएसओ लखनऊ में कार्यरत भारत सरकार रेल मंत्रालय की सूचना अधिकारी श्रीमती सुगंधा सक्सेना एवं विशिष्ट अतिथि हनुमान प्रसाद रस्तोगी गर्ल्स इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या डॉ. अपर्णा त्रिपाठी,

सुर कला संगम संगीत विद्यालय के प्रबंधक व प्रधान शिक्षक प्रदीप कुमार तिवारी श्सुफली सरश, उप प्रबंधक व शिक्षक अभिषेक निगम श्गुड्डू सर, राजमणि श्रीवास्तव,अनुराग, शिवांशु व हनुमत कृपा ट्रस्ट के महासचिव अनुराग मिश्र के द्वारा सामूहिक दीप प्रज्वलन किया गया तत्पश्चात संगीत की देवी माता सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनका पूजन किया गया।

पूजन के पश्चात गीतकार,संगीतकार, लेखक,गायक व शास्त्रीय संगीत की दुनिया में अपनी एक अलग पहचान रखने वाले सुर कला संगम संगीत विद्यालय के प्रबंधक प्रदीप कुमार तिवारी श्सुफली सरश द्वारा मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का प्रतीक चिन्ह व शॉल देकर सम्मान किया गया, सम्मान पाने वालों में मुख्य रूप से राजमणि त्रिपाठी के द्वारा देख लिया मैंने ,आकांक्षा पाल के द्वारा लोकगीत देखो सखी बोले बिन,वान्या केसरी के द्वारा ओ कान्हा, शिवांशु व आस्था वर्मा के द्वारा युगल गीत मेरे ढोलना,

श्रीवास्तव, सुर कला संगम संगीत विद्यालय में कथक नृत्य की शिक्षिका सरिता पाल, नक्षत्र फाऊंडेशन की अध्यक्षा पूनम सैनी,राष्ट्र नमन समाचार पत्र के संपादक संजय मिश्रा प्रमुख रहे।

सम्मान समारोह के उपरांत सर्वप्रथम शीतल वर्मा के द्वारा गणेश वंदना से प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश का आह्वान किया गया, जिसके बाद उन्होंने संत कबीर का सुप्रसिद्ध भजन सो मोरे मन गा कर भजन व नृत्य के इस कार्यक्रम का आरंभ किया। उनके बाद कार्तिकेय श्रीवास्तव श्टिल्लू के द्वारा शास्त्रीय संगीत पर आधारित राग काफी का छोटा ख्याल व गजल गाकर अपनी गायकी का लोहा मनवा दिया गया ।

भजनों के इस क्रम में आध्या अंशिका के द्वारा आसरा इस जहां का, निशा एवं विशाल रस्तोगी के द्वारा भजन,नियति टंडन द्वारा भजन,प्रियांशु ने गीत व मात्र 7 वर्ष के बालक राघव रस्तोगी ने स्वयं केसीओ बजाकर आरती एवं गायत्री मंत्र का गान कर सभागार में उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया।

विद्यालय के छात्र–छात्राओं की प्रस्तुति के उपरांत सुर कला संगम संगीत विद्यालय के प्रबंधक, शिक्षक एवं जाने–माने शास्त्रीय संगीत के विद्वान व गायक प्रदीप कुमार तिवारी श्सुफली सरश के द्वारा सुप्रसिद्ध भजन राम रमैया राम रमैया व तराना पेश किया गया।

सबसे दिलचस्प बात यह रही कि इस भजन व तराना में सुर कला संगम संगीत विद्यालय के समस्त छात्र छात्राओं ने सामूहिक रुप से श्सुफली सरश के साथ कोरस के माध्यम से सहयोग कर उपस्थित दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया यहाँ तक कि मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि महोदया ने मंच पर पहुँच कर सुफली सर व उनके विद्यालय के समस्त बच्चों को इस प्रस्तुति के लिए विशेष बधाइयाँ दीं।

गायन का कार्यक्रम संपन्न होते ही खुशी,संध्या,श्री अग्रवाल व पुष्टि के द्वारा अवध में राम आये हैं भजन पर लोक नृत्य के माध्यम से सामूहिक प्रस्तुति दी गयी जिसके बाद श्री अग्रवाल ने सोलो नृत्य व मात्र 7–8 वर्ष की दो बालिकाओं सान्वी व कृति के द्वारा इत्ती सी हंसी गीत पर नृत्य पेश किया गया।

लोक नृत्य व गायन की इस कार्यशाला में प्रस्तुत हुए सभी भजनों पर सुर कला संगम संगीत विद्यालय में संगीत के शिक्षक व जाने–माने शास्त्रीय संगीत के विद्वान अभिषेक निगम श्गुड्डू सरश ने हारमोनियम, अनुराग व कृष्णा वर्मा ने तबला,ढोलक पर अक्षत मिश्र,आयुष व विराट एवं शिवांशु ने पैड पर अपनी प्रस्तुतियाँ देकर वाहवाही लूटी।

लोक नृत्य व गायन की कार्यशाला संपन्न होने पर सुर कला संगम संगीत विद्यालय के सभी प्रतिभागी छात्र छात्राओं को मुख्य अतिथि के द्वारा प्रतीक चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर उनके उज्जवल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया गया।

अंत में कार्यक्रम के समापन की घोषणा एवं मुख्य व विशिष्ट अतिथि को धन्यवाद देते हुए सुफली सर ने कहा कि मैं सदैव यही कहता हूं कि हर छात्र छात्रा मेरे परिवार का अभिन्न हिस्सा है,मैं यही चाहता हूं और हमेशा इसी प्रयास में रहता हूं कि जो कला परमात्मा ने मेरे अंदर दी है वह हर कला मैं अपने हर छात्र छात्राओं को प्रदान कर सकूं और यही मेरे जीवन का उद्देश्य भी है।

उन्होंने कहा कि सुर कला संगम मात्र एक विद्यालय नहीं बल्कि ये मेरा परिवार है और आज के इस कार्यक्रम को सफल बनाने में भी मेरे परिवार के सभी बच्चों ने बहुत ही लगन के साथ सहयोग किया जिनमें विशेष रूप से कृष्णा वर्मा,अक्षत मिश्र,पलक,आकांक्षा पाल, सोनिया व महिमा का विशेष योगदान है,इनके साथ ही सुर कला संगम संस्था परिवार के सदस्य अभिषेक निगम श्गुड्डू सरश,अनुराग मिश्र, शीतल वर्मा,अनुराग,शिवांशु, गायत्री ने भी आयोजन की सफलता के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ी,इसके अलावा के.के. साउंड सर्विस व प्रशांत सक्सेना का भी विशेष सहयोग मिला जिसका परिणाम है कि आज आप सबके सामने सुर कला संगम संगीत विद्यालय के छात्र छात्रायें अपनी मनमोहक प्रस्तुतियाँ दे पाये।

सिद्ध लेखक और शिक्षक अबुल कासिम अब्बासी को पीएचडी की उपाधि मिली

संवाददाता

लखनऊ। गोसाईगंज ब्लॉक का गौरव और नगर पंचायत अमेठी की शान बढ़ाने वाले शिक्षक अबुल कासिम अब्बासी को एस,एपी यूनिवर्सिटी फ्लोरिडा यूएसए ने डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की है यह उपाधि उन्हें शिक्षा क्षेत्र में बहुआयामी कार्यों के लिए प्रदान की है राजधानी दिल्ली के होटल रेडिसन ब्लू में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में रेनबो चौरिटी यूनिवर्सल ट्रस्ट के तत्वाधान में जीएसए काउंसिल व एसए,पी यूनिवर्सिटी फ्लोरिडा यूएसए के द्वारा कमल वाधवान डायरेक्टर विक्स इंडिया, एमएलए हरियाणा वस्टेट जनरल सेक्रेट्री बीजेपी मोहनलाल बदोली जी व, राष्ट्रीय अध्यक्ष आरजे पार्टी डॉ जितेंद्र कौशिक जी,शिक्षाविद और जनरल सेक्रेटरी डॉ पवन कुमार भुवानीवाला, प्रसिद्ध फिल्म जगत के नायक कुलदीप सरीन जी, कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालयों के शिक्षाविदों के द्वारा शिक्षा,समाज, चिकित्सा, खेल व्यापार ,कला आदि के क्षेत्रों शीर्ष 26 प्रतिभाओं को जिनमें अबुल कासिम अब्बासी को शिक्षा शास्त्र और लेखन के क्षेत्र में,निखिल गंभीर को बिसनेस कोच,ममता गौर को चिकित्सा और कानपुर के खेल शिक्षक प्रशांत तिवारी को उनके ताइकांडो में बेहतरीन प्रदर्शन हेतु आनरेरी डॉक्टरेट पीएचडी की उपाधि से नवाजा गया शिक्षक अब्बासी को शिक्षा क्षेत्र में बहुआयामी शिक्षण तथा लेखन विधि को रुचिकर बनाने हेतु उनकी इस प्रतिभा को दृष्टिगत रखते हुए उन्हें मेडल और उपाधि प्रदान की गई स शिक्षक अब्बासी गोसाईगंज क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय गोसाईगंज 2 में प्रधानाध्यापक के रूप मे बेहतर कार्य कर रहे हैं तथा साथ–साथ अपनी लेखन शैली के अंतर्गत लेखक और सह लेखक के रूप में भी कार्यरत हैं। शिक्षक अब्बासी नगर पंचायत अमेठी लखनऊ के मूल निवासी हैं।

नारी शक्ति पेंशन अधिकार सम्मेलन में महिलाओं ने भरी हुंकार

संवाददाता

लखनऊ। अटेवा पेंशन बचाओ मंच के तत्वावधान में आज लखनऊ में कृषि विभाग स्थित सभागार में नारी शक्ति पेंशन अधिकार महासम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें प्रदेश भर के महिला शिक्षक कर्मचारियों ने भागलिया। सुबह से ही महिलाओं का जत्था प्रदेश के तमाम जिलो से आना शुरू हुआ। नारे लगाते रहे जय युवा– जय अटेवा, पुरानी पेंशन बहाल करो मातृ शक्ति में गजब का उत्साह देखा गया। अटेवा संबंधित प्रचार सामग्री स्टाल लगाए जिस पर भारी भीड़ उमड़ी। अब घर घर में अटेवा और पुरानी पेंशन का आंदोलन जाएगा। सम्मलेन के मुख्य अतिथि अटेवा,एएनएमओपीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार बंधु ने सम्मलेन को संबोधित करते हुए कहा क राजधानी में पहली बार मातृशक्तियों ने इस सभागार को भर कर सरकार को अपनी ताकत का अहसास करा दिया है।

यूपी बीएड के लिए काउंसलिंग प्रक्रिया जल्द होगी शुरू, जानें कितने रैंक वाले उम्मीदवार होंगे शामिल

संवाददाता

लखनऊ। बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित की गई यूपी बीएड प्रवेश परीक्षा 2023 में जिन छात्रओं ने प्रतिभाग किया था उनके लिए काउंसलिंग को लेकर बड़ी महत्वपूर्ण खबर सामने आ रही है। दरअसल अभ्यर्थी काफी समय से काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं। वहीं, अभ्यर्थियों को काउंसलिंग प्रक्रिया के लिए इंतजार करने की जरूरत नहीं पड़ेगी क्योंकि अब काउंसलिंग प्रक्रिया जल्द शुरू होने जा रही है। यूपी बीएड प्रवेश परीक्षा 2023 को लेकर एक खबर ने अभ्यर्थियों को असमंजस में डाल दिया है। बता दें कि अभ्यर्थियों के बीच यूपी बीएड प्रवेश परीक्षा 2023 के लिए काउंसलिंग को लेकर रैंक की सूचना वायरल हो रही है। इस वायरल खबर में बताया जा रहा है कि यूपी बीएड प्रवेश परीक्षा 2023 के लिए रैंक पूरी तरह स्पष्ट हो गई है। जहां अब केवल वही अभ्यर्थी काउंसलिंग प्रक्रिया के लिए आवेदन के पात्र होंगे, जो 1 से लेकर 75 हजार तक की रैंकिंग में आएंगे। बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी द्वारा काउंसलिंग प्रक्रिया को लेकर रैंक से संबंधित वायरल हो रही खबर पूरी तरह सत्य होने के बाद भी गलत साबित हो रही है। दरअसल इस समय यूपी बीएड 2023 की काउंसलिंग को लेकर सामने आई रैंक को जब ध्यान से देखा, तो पता चला कि यह खबर तो बीते वर्ष प्रकाशित हुई थी। दरअसल 2022 यूपी बीएड प्रवेश परीक्षा में काउंसलिंग के लिए रैंक निर्धारित की गई थी, जिसमें 1 से लेकर 75 हजार तक की रैंक के अभ्यर्थी ही काउंसलिंग में शामिल हो सकते थे। बता दें कि बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी द्वारा यूपी बीएड प्रवेश परीक्षा 2023 के लिए काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू होने के लिए अभ्यर्थियों को अब बहुत ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। क्योंकि राज्य विश्वविद्यालयों द्वारा अंतिम वर्ष का परीक्षा परिणाम भी अब जल्द से जल्द जारी कर दिया जाएगा, जिसके बाद काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

मन की बात से हमारा मार्गदर्शन होता है: एडवोकेट मोहम्मद अनीस

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ महानगर अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारियों ने महानगर अध्यक्ष जनाब शादाब आलम के मार्गदर्शन में लखनऊ महानगर के महामंत्री श्री मोहम्मद अनीस के समनान गार्डेन कैम्पवेल रोड स्थित आवास पर मन की बात के 103वें कार्यक्रम को सुना। इस कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री जी के द्वारा उत्तराखंड में महिलाओं द्वारा बनाये जा रहे भोजपत्र, मेरी माटी मेरा देश, अमृत कलश यात्रा नशा मुक्ति देश, मध्यप्रदेश के विचारपुर जैसे छोटे गाँव में फुटबॉल खिलाड़ियों के बारे में एवं उत्तर प्रदेश में 30 करोड़ वृक्षारोपण तथा हर घर तिरंगा जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की । माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी उन पहलुओं को लाते हैं जिंसदे हम सभी का मार्गदर्शन होता है। ऐसे पहलुओं को लाकर देश की अखंडता को मजबूत करना देश के लोगों को उन विभूतियों के बारे में जानकारी प्रदान करना जो हमें नहीं पता होती है।

चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ की बैठक तीन को,पुरानी पेंशन को लेकर बनेगी रणनीति

संवाददाता

लखनऊ। पुरानी पेंशन बहाली के लिए अखिल भारतीय महासंघ की 3 अगस्त का बैठक होगी। बैठक में यूपी से सौ प्रतिनिधि भागीदारी करेंगे। उत्तर प्रदेश चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ के प्रदेश महामंत्री ने बताया कि चतुर्थ श्रेणी की भर्ती को लेकर एवं पुरानी पेंशन बहाली को लेकर अखिल भारतीय चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी सरकारी महासंघ द्वारा 3 अगस्त 2030 को आंध्र प्रदेश में राज्यों की बैठक विजयवाड़ा राष्ट्रीय अध्यक्ष केआर गणेशन के अध्यक्षता में संपन्न होगी।सुरेश यादव ने बताया कि इस बैठक में उत्तर प्रदेश से 100 प्रतिनिधि शामिल होगें । चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी महासंघ के महामंत्री सुरेश सिंह यादव ने बताया कि बैठक में पूरे भारतवर्ष में चतुर्थ श्रेणी संवर्ग के 9000000 पद स्वीकृत हैं। इसके सापेक्ष 40 प्रतिशत से अधिक लोग सेवानिवृत्त हो गए हैं। 4000000 से अधिक चतुर्थ श्रेणी के पद रिक्त हैं। पूरे राज्यों में जिसको तत्काल भरे जाने को लेकर अहम बैठक तत्काल बुलाई गई है और पुरानी पेंशन लागू करने के लिए समस्त राज के पदाधिकारी को उपस्थिति अनिवार्य की गई है। बैठक में जिससे पूरे भारतवर्ष में ज्ञापन एवं प्रधानमंत्री को राज्य के मुख्यमंत्री को सौंपा जाए और चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा की जाएगी। राष्ट्रीय डिप्टी जनरल सेक्रेटरी सुरेश सिंह यादव प्रदेश महामंत्री चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी संघ ने दी। बैठक में उत्तर प्रदेश से रामराज दुबे प्रदेश अध्यक्ष, सुरेश सिंह यादव प्रदेश महामंत्री, राम गोपाल गौतम राष्ट्रीय जनरल सेक्रेटरी, रविंद्र श्रीवास्तव रामचंद्र गुप्ता वाराणसी से राष्ट्रीय डिप्टी जनरल सेक्रेट्री उमेश बहादुर सिंह कलावती तिवारी माया देवी हरकेश यादव राजवीर सिंह संजय तिवारी नरेंद्र नरेंद्र सिंह भाईलाल प्रदेश कोषाध्यक्ष राजकुमार सिंह बैठक में उत्तर प्रदेश से सम्मिलित होंगे।

बच्चा चोरी मामले में देवांश हास्पिटल की संचालिका सहित खिलाफ मुकदमा दर्ज

अयोध्या। नगर कोतवाली क्षेत्र के देवकाली बाईपास स्थित देवांश अस्पताल के डॉक्टर पर बच्चा चोरी के चर्चित आरोप के मामले में नगर कोतवाली पुलिस रिपोर्ट दर्ज की है।नगर पुलिस ने पीड़िता महिला काजल दूबे के पति अतुल दूबे की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज की है।जिसमें एक निजी अस्पताल की डॉक्टर नेहा और अन्य अज्ञात को नामजद किया गया है।

शिकायत में इनायत नगर थाना क्षेत्र के कहुआ गांव निवासी अतुल दुबे का कहना है कि वह मजदूर पेशा व्यक्ति है। अपनी पत्नी काजल को पैसों के लिए जिला महिला अस्पताल लाया था वहां पर मिले एक शख्स ने उसको सस्ते में प्रसव कराने का झांसा दिया और देवांश अस्पताल ले आया। पीड़ित द्वारा दिये गये तहरीर के मुताबिक 5 जून को अस्पताल में ऑपरेशन से लड़की हुई तथा अस्पताल प्रशासन ने बच्चे की हालत क्रिटिकल बताते हुए उसे आईसीयू में रखवा दिया तथा बाद में पत्नी को डिस्चार्ज कर दिया।उसने बच्चा देने की मांग की तो उसको दौड़ाया जाता रहा बाद में अस्पताल की डॉक्टर नेहा ने धमकाना शुरू कर दिया कि भाग जाओ नहीं तो जेल भिजवा देंगे। इस मामले में पीड़ित का कहना है कि पूरा वाकया सीसीटीवी में रिकार्ड हुआ है।आशंका जताई है कि अस्पताल प्रशासन ने बच्चे को किसी को बेच दिया।

शिकायत पर नगर कोतवाली पुलिस ने डॉ नेहा समेत अन्य अज्ञात को नामजद करते हुए मुकदमा पंजीकृत कर छानबीन शुरू कर दी है।अस्पताल संचालिका डॉ साक्षी द्विवेदी ने इस आरोप को निराधार बताते हुए कहा कि यह शिकायत फर्जी है। शिकायत कर्ता आईसीयू में रखने के बहाने अस्पताल प्रशासन की ओर से 2 महीने तक बच्चा नहीं दिए जाने पर पीड़ित ने गुरुवार को शिकायत नगर कोतवाली पुलिस से की थी।शिकायत के बाद कोतवाली पुलिस ने अस्पताल संचालिका डॉ साक्षी द्विवेदी को बुलाकर पूछताछ की थी तो उन्होंने अपने अस्पताल में प्रसव होने की बात से ही इंकार कर दिया था।वही आरोप लगाया था कि पीड़ित महिला 2 महीने पहले उनके यहां नौकरी मांगने आई थी तो उन्होंने रख लिया तथा 15 दिन नाइट ड्यूटी दी थी।इस दौरान उसका पति शराब पीकर अस्पताल आता था और गाली गलौच व बवाल करता था इसलिए उन्होंने महिला को नौकरी से निकाल दिया। इसी को लेकर परिवार की ओर से बच्चा चोरी का फर्जी आरोप लगाया जा रहा है।इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी कुमार पाण्डेय ने बताया कि फिलहाल इस मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

फूटा महीनों का आक्रोश,क्षुब्ध जनता ने किया घंटों रामपथ मार्ग जाम, पुलिस के छूटे पसीने

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। अयोध्या में निर्माणाधीन रामपथ पर अनवरत जलापूर्ति संकट से त्राहि–त्राहि कर रहे लोगों के सब्र का बांध अब टूटने लगा है। आक्रोश में उबाल की शुरुआत रविवार देर रात रिकाबगंज क्षेत्र से हुई जहां सैकड़ों की संख्या में लोगों ने घंटों निर्माणाधीन रामपथ मार्ग जाम कर दिया। आक्रोशित लोगों ने जिला प्रशासन और नगर निगम के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जलापूर्ति बहाली की मांग की। इस दौरान मौके पर पहुंची पुलिस को लोगों को समझा कर जाम खुलवाने में पसीने छूट गए।

सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमो का अनुपालन करने की शपथ दिलाई गयी

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) शासन द्वारा 17 जुलाई से 31 जुलाई 2023 तक सड़क सुरक्षा पखवाड़ा मनाय जाने के क्रम में आज कार्यालय सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी के प्रांगण में समापन का कार्यक्रम किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में माननीय नगर पालिका अध्यक्ष, हरदोई सुखसागर मिश्र मधुर उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में सड़क दुर्घटना एवं सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित उपस्थित सभी बसध्ट्रकध्ऑटो–रिक्शाध्ई–रिक्शाध्टैम्पो ध्टैक्सी के यूनियन के पदाधिकारियों को जागरूक किया। कार्यक्रम में उपस्थित सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) संजीव कुमार सिंह, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) दयाशंकर, संभागीय निरीक्षक (प्राविधिक) सुशील कुमार, सहायक क्षेत्रीय प्रबन्धक हाकिम सिंह, सहायक अभियन्ता लोक निर्माण विभाग शरद कृष्ण, द्वारा भी उपस्थित सभी लोगो को मुख्य रूप से दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट लगाने, वाहन चलाते समय मोबाईल फोन का प्रयोग न करने, शराब पीकर गाड़ी न चलाने, तेज गति से वाहन न चलाने, गलत दिशा से ओवरटेक न करने एवं वाहनों पर ओवरलोडिंग न करने के सम्बन्ध में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। अन्त में उपस्थित यूनियन के सभी पदाधिकारियों/चालकों/परिचालको को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमो का अनिवार्यता अनुपालन करने की शपथ दिलाने के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया ।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने ट्वीट कर स्वामी प्रसाद मौर्य के विवादित बयान पर साधा निशाना

अयोध्या।(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता) सनातन धर्म का बार–बार अपमान करना समाजवादी पार्टी एवं उनके नेताओं की घृणित मानसिकता बन चुकी है। हाल ही में समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य द्वारा हिंदुओं की आस्था के प्रमुख केंद्र बाबा केदारनाथ, बाबा बद्रीनाथ एवं श्री जगन्नाथ पुरी के बारे में दिया गया बयान न सिर्फ विवादित है बल्कि उनकी ओछी मानसिकता एवं तुच्छ राजनीति को भी दर्शाता है।उनका यह बयान देश एवं उत्तर प्रदेश के करोड़ों हिंदुओं की भावनाओं को आहत करने वाला तथा समाज में विद्वेष उत्पन्न करने वाला है, उन्हें अपने इस बयान पर माफी मांगनी चाहिए एवं समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव जी को इस विषय पर अपना मत जनता के सामने स्पष्ट करना चाहिए क्या समाजवादी पार्टी उनके इस बयान से सहमत है।

शिक्षकों के बीमा का पैसा नहीं लौटा रहा विभाग

अयोध्या। बेसिक शिक्षा विभाग बिना बीमा पॉलिसी के शिक्षकों के वेतन से काटे गए करीब 200 करोड़ रुपये लौटा नहीं रहा है।जबकि विभाग ने 11 माह पहले बीमा राशि की कटौती बंद कर दी थी। अब प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षित स्नातक एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजे शिकायती पत्र में सामूहिक बीमा के रुपये लौटाने की गुहार लगायी है।एसोसिएशन के प्रान्तीय अध्यक्ष विनय कुमार सिंह ने बताया कि विभाग द्वारा 31 मार्च वर्ष 2014 के बाद नियुक्ति पाये प्राइमरी के शिक्षकों के वेतन से 101 माह तक लगातार सामूहिक बीमा के 87 रुपये प्रतिमाह अगस्त 2022 तक कटौती की गई। जबकि कम्पनी ने सामूहिक बीमा पॉलिसी बंद कर दी थी। बिना पॉलिसी के बेसिक शिक्षा विभाग शिक्षकों के वेतन से हर माह 87 रुपये की कटौती होती करता रहा। शिक्षकों की शिकातय पर विभाग ने 11 माह पहले यह कटौती बंद कर यह राशि शिक्षकों को लौटाने का भरोसा दिया था। हालांकि अभी तक यह रुपये लौटाये नहीं हैं। विनय सिंह ने बताया कि आठ साल में करीब ढ़ाई लाख शिक्षकों के वेतन से करीब 200 करोड़ रुपये की कटौती गई है।एसोसिएशन ने 11 माह पहले प्रयागराज स्थित बेसिक शिक्षा परिषद के वित्त नियंत्रक एवं स्कूल महानिदेशक से बीमा की राशि लौटाने की मांग की थी लेकिन अभी तक शिक्षकों का पैसा वापस नहीं लौटाया गया है। शिक्षक लगातार कार्यालयों के चक्कर काट रहे है। इस दौरान बीमा पॉलिसी की राशि कटाने वाले कई शिक्षकों की मौत हो गई। इन्हें बीमा का कोई लाभ नहीं मिला।

चोरी की सामान सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

पत्रकार वार्ता में एसपी ग्रामीण ने किया खुलासा

अयोध्या।थाना खण्डासा व थाना कुमारगंज पुलिस ने चोरी व नकबजनी में शामिल घटनाओं का खुलासा करते हुए इसमें शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर किया।पुलिस ने आरोपियों के पास से पास से लाखो रुपए के गहने बर्तन के अलावा फर्जी नंबर के दो बाइक बरामद किया।इस बात का खुलासा एसपी ग्रामीण अतुल कुमार सोनकर ने पुलिस लाइन परिसर में स्थित सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता में कही। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए ये सभी आरोपी शातिर है। उन्होंने बताया कि सीओ मिल्कीपुर आशीष निगम के कुशल पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष खंडासा मनोज कुमार ने उप निरीक्षक उमेश कुमार वर्मा थाना कुमारगंज तथा उप निरीक्षक शैलेश कुमार त्रिवेदी थाना खंडासा की मदद से इन तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।एसपी ग्रामीण अतुल कुमार सोनकर ने बताया कि पुलिस के हत्थे तीनो आरोपी वकील उर्फ सेनापति पुत्र मंजूर खान निवासी इटौंजा थाना कुमारगंज जनपद अयोध्या,संत कुमार सिंह पुत्र स्वर्गीय स्वामीनाथ निवासी जरई खुर्द थाना हलियापुर जनपद सुल्तानपुर व हरिश्चंद्र तिवारी पुत्र केतारनाथ निवासी नरगेशवा थाना हलियापुर जनपद सुल्तानपुर को चेकिंग के दौरान सिधारी बाजार मोड़ से गिरफ्तार किये गये। एसपी ग्रामीण अतुल कुमार सोनकर ने बताया कि आरोपी हरिश्चन्द्र तिवारी व संत कुमार सिंह ने पूछताछ में बताया कि वे दोनों दिन में रैकी करते थे। उसके बाद वे तीनों शाम को पहले से तयशुदा स्थान पर एक जगह इकट्ठा होकर घटना करते थे।उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी वकील उर्फ सेनापति पुत्र मंजूर खाँ निवासी इंटौजा थाना कुमारगंज अयोध्या के कब्जे से तमंचा बरामद किया।

गोरखपुर लखनऊ हाईवे पर अचानक धू धू कर जल उठा टैंकर

बड़ी मुश्किल से अग्निशमन कर्मियों ने पाया काबू

अयोध्या।लखनऊ गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर थाना कैंट क्षेत्र स्थित एक ढाबा के सामने टैंकर में लगी भीषण आग लगने से अफरातफरी मच गई।रविवार को सुबह लगभग साढ़े नौ बजे लखनऊ गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक टैंकर जो कि लखनऊ से सिक्किम की ओर से जा रही थी।जब उक्त टैंकर कोतवाली कैंट क्षेत्र के हरीपुर जलालाबाद बाद के सामने स्थित एक ढाबे पर पहुंचीं तभी टैंकर में अज्ञात कारणों से भीषण आग लग गई।देखते ही देखते टैंकर धू धू करके जलने लगी।आसमान में चारो ओर आग का गुबार व धुआं ही धुआं दिखाई दे रहा था।इस घटना की सूचना मिलते ही मुख्य अग्निशमन अधिकारी एमपी सिंह, प्रभारी अग्निशमन द्वितीय अधिकारी प्रदीप पाण्डेय ने फायर ब्रिगेड का दस्ता सहित छोटी बड़ी दमकल के साथ आग पर काबू पाने के लिये जुट गए। बड़ी मुश्किल से कई घंटो के बाद किसी तरह से स्थानीय लोगों की मदद से अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने इस टैंकर में लगी आग को बुझाने में सफलता पाई।वही इस घटना के चलते लखनऊ गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर घंटों जाम लगा रहा। जिसके चलते इधार से गुजरने वाले छोटे बड़े वाहन घंटों इस जाम में फंसे रहे।जाम खुलवाने को लेकर स्थानीय पुलिस कर्मी काफी देर तक मशक्कत करते रहे।

अब कम समय में आसानी से हो सकेंगे रामलला के दर्शन

श्रद्धालुओं के लिए खेला गया राम मंदिर का नया दर्शन मार्ग, हुई पुष्प वर्षा

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) श्री राम जन्मभूमि परिसर में आने वाले श्रद्धालुओं को अब कम समय में आसानी से रामलला के दर्शन हो सकेंगे। रविवार को राम मंदिर के नए दर्शन मार्ग को दोपहर दो बजे से खोल दिया गया है। इस दौरान मंदिर पहुंचने वाले भक्तों पर पुष्प वर्षा की गई।श्रद्धालुओं के लिए जन्मभूमि पथ को खोल दिया गया है। इस मार्ग के जरिए रामभक्त आसानी से मुख्य सड़क मार्ग से सीधे रामलला के दर्शन के लिए जा सकेंगे। इस सड़क मार्ग को रामलला के भक्तों के लिए विशेष रूप से बनाया गया है। जन्मभूमि पथ पर कई स्थानों पर श्रद्धालुओं के बैठने के लिए बेंच और पीने के लिए पानी की व्यवस्था की गई है। इस मार्ग के खुलने से रामलला के दर्शन के लिए राम भक्तों द्वारा तय की जाने वाली दूरी करीब आधा किलोमीटर कम हो गई है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, सदस्य डॉ. अनिल मिश्र, प्रथम मेयर ऋषिकेश उपाध्याय, डॉ विमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र समेत मंडलायुक्त गौरव दयाल, जिलाधिकारी नितीश कुमार, एसएसपी राजकरण नैयर, मेयर गिरीशपति त्रिपाठी के अलावा विहिप और संघ के तमाम नेताओं की मौजूदगी में जन्मभूमि पथ का शुभारंभ किया गया। आमंत्रित सभी गणमान्य सदस्यों ने पुष्प वर्षा कर रामलला के दर्शनों के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया।श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि अयोध्या के सड़क मार्ग से जुड़ा यह जन्मभूमि पथ बिड़ला धर्मशाला के सामने से सीधे रामलला के गर्भगृह तक पहुंचेगा। इस मार्ग पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए दो स्थान पर लॉकर सुविधा, व्हीलचेयर, शौचालय और आराम करने की व्यवस्था बनाया गया है। इस रास्ते से प्रवेश के बाद दर्शन कर पुनः श्रद्धालु अपने उसी स्थान पर पहुंचेंगे जहां से वह अपने सामान को सुरक्षित रखे हुए हैं। मार्ग को सुरक्षा व्यवस्था के तहत तैयार किया गया है।

अंबेडकर जी की मूर्ति को अराजक तत्वो ने किया क्षतिग्रस्त,लोगों में फैला आक्रोश

सीओ बीकापुर की सूझबूझ से मामला हुआ शांत

अयोध्या। (डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता) जिले के तारुन थाना क्षेत्र के किछूटी किशुनदासपुर में बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा को अराजक तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त कर दिए जाने से लोगों में आक्रोश फैल गया।लेकिन सीओ बीकापुर डॉ राजेश तिवारी की सूझबूझ से लोगों का आक्रोश शांत हो गया। रविवार को अंबेडकर जी की मूर्ति क्षतिग्रस्त किए जाने की सूचना मिलने के बाद लोग इकट्ठा हो गए।सीओ बीकापुर डॉ राजेश कुमार तिवारी के नेतृत्व में थानाध्यक्ष अशोक कुमार यादव ने पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद लोगों को समझाने बुझाने का प्रयास किया और अंबेडकर जी की मूर्ति को क्षतिग्रस्त करने वाले अराजक तत्वों पर चिन्हित करके कार्रवाई करने की बात कही। बताया कि गांव के पार्क में स्थित अंबेडकर जी की मूर्ति को अज्ञात अराजक तत्व द्वारा क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। पुलिस क्षेत्राधिकारी डॉ राजेश तिवारी ने आक्रोशित ग्रामीणों को समझा–बुझाकर शांत करवा दिया। और आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। तथा क्षतिग्रस्त हुई डॉक्टर अंबेडकर जी की मूर्ति को ठीक करवा दिया गया।

सब इंस्पेक्टर रणजीत यादव कलाम यूथ लीडरशिप अवार्ड से दिल्ली में हुए सम्मानित

अयोध्या। देश की राजधानी नई दिल्ली में आयोजित कलाम यूथ लीडरशिप कॉन्फ्रेंस–5.0 में जनपद अयोध्या के पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय में नियुक्त खाकी वाले गुरुजी के नाम से प्रसिद्ध सब–इंस्पेक्टर रणजीत यादव को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल प्रदान कर कलाम यूथ लीडरशिप अवार्ड 2023 से सम्मानित किया गया। रणजीत यादव को यह सम्मान सुरक्षा के साथ सेवा भावना द्वारा किए जा रहे हैं समाज के लिए उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया है! यह अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम पूर्व राष्ट्रपति मिसाइलमैन डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के पुण्यतिथि पर ख्वाब फाउंडेशन द्वारा नई दिल्ली के चाणक्यपुरी स्थित विश्व युवा केंद्र में आयोजित किया गया। दिनांक 27 जुलाई से 29 जुलाई 2023 तक चलने वाले इस तीन दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ दिल्ली सरकार के पर्यावरण एवं संरक्षण मंत्री गोपाल राय के द्वारा किया गया। इस कॉन्फ्रेंस में भारत देश के सभी राज्यों के साथ साथ विश्व के लगभग 20 से ज्यादा देशों के युवाओं ने भाग लिया तथा अपने अपने विचारों को साझा किया एवं डॉक्टर कलाम के विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लिया। आज अयोध्या कैंट स्टेशन पर ट्रेन से उतरते ही स्टेशन मास्टर अयोध्या कैंट श्री सोहन लाल लोको पायलट साथियों के साथ व पुलिस ऑफिस में नियुक्त बलराम ने पूरी टीम के साथ माल्यार्पण करके रणजीत का जोरदार स्वागत किया।रणजीत रक्तदान,पौधरोपण, गरीब असहायों और दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की मदद करना, शिक्षा,सुरक्षा और नशामुक्ति के प्रति लोगों को जागरूक करना जैसे सामाजिक कार्यों के लिए जाने जाते हैं। इनके द्वारा लिखित सामाजिक संदेश पर आधारित कई कहानियों का प्रसारण आकाशवाणी के दूरदर्शन केंद्र लखनऊ और फैजाबाद के रेडियो स्टेशन से इनकी खुद की आवाज में कई बार हो चुका है।

प्रत्येक वर्ष गर्मी के मौसम में बेजुबानों के लिए थोड़ा सा दाना थोड़ा सा पानी मुहिम इनके द्वारा चलाया जाता है।आजमगढ़ के एक छोटे से गांव भदसार के निवासी रणजीत देश के जाने माने शीर्ष विश्विद्यालय बी0एच0यू0 से दर्शनशात्र विषय में स्नातकोत्तर हैं! सुरक्षा के साथ सेवा भावना के चलते मिल चुके हैं कई पुरस्कार।ड्यूटी से समय निकालकर एक वर्ष से 70 गरीब असहाय और भिक्षावृत्ति से जुड़े बच्चों को निशुल्क शिक्षा देने के कारण अयोध्या वासी प्यार से इन्हें खाकी वाले गुरुजी नाम से बुलाते हैं! रणजीत यादव को पुरस्कार मिलने पर पुलिस महानिरीक्षक अयोध्या रेंज श्री प्रवीण कुमार समेत कार्यालय में नियुक्त सभी ने बधाई और शुभकामनाएं दिया।

सैकड़ों गरीब मजदूरो के परिवार का सहारा बना आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज

अयोध्या। (डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता) रुदौली विधानसभा क्षेत्र के मवई मार्ग पर माजनपुर गांव के समीप बन रहे राजकीय आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज मैं ग्रामीण क्षेत्र के सैकड़ों मजदूर परिवारों के रोजी रोटी का सहारा बना हुआ है। जिसकी बदौलत इसमें मजदूरी करके यह मजदूर अपने परिवार के सदस्यों को दो वक्त की रोटी मुहैया कराने में सफल हैं। बताया जाता है कि इससे पहले इस संस्था के जिम्मेदार कर्मचारियों ने बाहरी मजदूरों को काम पर लगाया हुआ था लेकिन बाद में स्थानीय मजदूरों को काम पर रखा गया।बता दें कि रुदौली विधान सभा क्षेत्र के मवई मार्ग पर बन रहे मांजनपुर गांव के पास राजकीय आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज जो 49 करोड़ रूपए की लागत से तैयार हो रहा है।इस कालेज का निर्माण कराने वाली कार्यदाई संस्था ने पहले निर्माण कार्य कराने के लिए बाहरी मजदूरों को एवं सेट्रिंग आदि सब रखते थे और पास के लोग काम के लिए जाते तो उनको वहां पर मजदूरी पर नहीं रखा जाता था।जिसके बाद ग्रामीण क्षेत्र के गरीब मजदूर क्षेत्रीय विधायक रामचंद्र यादव से जाकर मिले तो उन्होंने आश्वासन दिया कि मैं आकर बात करूंगा।मौके पर पहुंचे विधायक ने संस्था के जिम्मेदार कर्मचारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि हमारे ही प्रयास से ही क्षेत्र में इतने बड़े पैमाने पर काम चल रहा है और हमारी ही जनता को काम पर नहीं रखा जा रहा है।जिसके बाद से अब तक डेढ़ साल से ही क्षेत्र के सैकड़ों गरीब मजदूर के परिवार का भरण पोषण यही से हो रहा है।और अब मेडिकल कॉलेज में सेटरिंग, मजदूर आदि क्षेत्रीय लोगों का ही लगाया जा रहा है।

राजकीय आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज में मजदूरी कर रहे लल्लू निवासी बसैगापुर,रामसिंह यादव,विक्रम यादव,अरविंद कुमार,अमृत लाल,राजकरन आदि ने बताया कि इस यहां पर लगभग सौ से अधिक की संख्या में लोग काम कर रहे हैं पहले यहां पर काम नही मिलता था लेकिन विधायक रामचंद्र यादव के कहने पर काम कर रहे हैं जो एक साल से ऊपर हो गया है।रुदौली विधायक रामचंद्र यादव से बात की गई तो उन्होंने बताया कि पहले यहां पर बाहरी मजदूरों को काम पर रखा गया था और क्षेत्रीय मजदूरों को काम पर नहीं रखा जाता था जो स्थानीय मजदूरों की शिकायत पर क्षेत्र के मजदूरों को कार्यदाई संस्था के जिम्मेदार कर्मचारियों से बात करने के बाद रखवाया गया है और अब इन सब को काम के लिए बाहर नही जाना पड़ रहा है।

योगी कैबिनेट का 10 दिन में होगा विस्तार

राजभर, दारा सिंह का मंत्री बनना कंफर्म, मंत्रिमंडल की 6 सीट अभी रखी जाएंगी खाली

संवाददाता

लखनऊ। योगी कैबिनेट का पहला विस्तार 8 से 10 दिन के अंदर होना तय माना जा रहा है। इसमें हाल ही में एनडीए में शामिल सुभासपा प्रमुख ओपी राजभर और दारा सिंह चौहान का मंत्री बनना कंफर्म है। खबर यह भी है कि अभी योगी मंत्रिमंडल की 6 सीट खाली रखी जाएंगी। ताकि, आगे की जरूरत के हिसाब से इसे इस्तेमाल किया जा सके। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, अगर सबकुछ ठीक रहा तो 5 या 7 अगस्त को मंत्रिमंडल विस्तार हो जाएगा। दोनों नए नेताओं–ओपी राजभर और दारा सिंह चौहान को मंत्री पद की शपथ दिलाई जाएगी। दोनों नेताओं को इसकी जानकारी भी देने की सूचना है। माना जा रहा है कि इसीलिए 2 दिन पहले राजभर ने खुद मंत्रिमंडल में जल्द शामिल होने की बात कही थी। इसके अलावा, दिल्ली में एनडीए की बैठक में शामिल होने के बाद राजभर ने सीएम योगी, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक से भी मुलाकात की। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, यह मंत्रिमंडल विस्तार बहुत छोटा होगा। चर्चा है कि इसमें सिर्फ ओपी राजभर और दारा सिंह चौहान को शपथ दिलाई जाएगी। इसके अलावा, किसी अन्य दल या फिर बीजेपी की ओर से किसी को भी मंत्री पद मिलने की संभावना बेहद कम है। हालांकि, इस मंत्रिमंडल विस्तार पर राजभवन में फाइल पहुंच चुकी है। सिर्फ फाइनल मुहर लगनी बाकी है। योगी मंत्रिमंडल में वर्तमान में सीएम योगी समेत कुल 52 मंत्री हैं। इनमें 2 डिप्टी सीएम समेत कुल 18 कैबिनेट मंत्री, 14 राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार और 20 राज्य मंत्री हैं। मंत्रिमंडल में मंत्रियों की अधिकतम संख्या 60 तक हो सकती है। ऐसे में लगभग 8 जगह खाली हैं। अगर राजभर और दारा सिंह चौहान को मंत्रिमंडल में शामिल किया जाता है तो मंत्रियों की संख्या बढ़कर 54 हो जाएगी।

शिक्षित बेटी, सक्षम समाज अभियान में दीप ट्रस्ट ने बांटी शैक्षिक सामग्री

संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश स्तर पर सक्रिय दीप इन्फोटेक चौरिटेबल ट्रस्ट की ओर से शिक्षित बेटी, सक्षम समाज अभियान का संचालन किया जा रहा है। इस कड़ी में रविवार को दीप इन्फोटेक चौरिटेबल ट्रस्ट के सचिव दीप प्रकाश की अगुआई में विश्वविद्यालय मार्ग स्थित हबीबुल्ला हाता में जरूरतमंद छात्राओं को स्कूल बैग, कॉपी, पेंसिल बॉक्स सहित अन्य शैक्षिक सामग्रियां भेंट की गईं।

सावन के चौथे सोमवार को लेकर अयोध्या में सुरक्षा के व्यापक रहे इंतजाम

अयोध्या।(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता) सावन के चौथे सोमवार को लेकर अयोध्या में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम रहा।वही एडीजी रेलवे जेएन सिंह एसपी रेलवे पूजा यादव व सीओ जीआरपी संजू कुमार सिन्हा के निर्देशन में अयोध्या रेलवे केंट स्टेशन पर जीआरपी प्रभारी निरीक्षक पप्पू यादव के नेतृत्व में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया।स्टेशन पर मौजूद यात्रियों के सामानों को चेक किया गया, यात्रा करने जा रहे कांवरियों से हाल चाल जाना, यात्रा कर रहे यात्रियों से ट्रेन में जाकर अपने सामानों की सुरक्षा खुद करें अज्ञात व्यक्ति वस्तु को दिखाई पड़ने पर इसकी सूचना जीआरपी को देने की हिदायत दी गई, संदिग्ध व्यक्ति वस्तु को किया गया चेक, इस मौके पर एसआई विक्टर जेम्स, एसआई सुदामा यादव, एसआई योगेंद्र मिश्रा, महिला आरक्षी पिंकी साहनी हेड कांस्टेबल सर्वेश पाल मौजूद रहे।

16 अगस्त को सपा निकालेगी विकास रोजगार यात्रा

संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में कन्नौज में समाजवादी विकास–रोजगार यात्रा 16 अगस्त को निकाली जाएगी। कन्नौज में काऊमिल्क प्लांट से मंडी तकसमाजवादी बड़ी संख्या में इस यात्रा में शिरकत करेंगे। यह यात्रा पहले छह अगस्त से निकलने वाली थी।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।